नई दिल्ली ■ मंगलवार 10 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 341 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 हिमाचल प्रदेश में भुला दिया गया खरपतवार उन्मूलन | 07 दुबई के अनुभव के बाद स्विस ओपन नहीं खेलेगी सिंधू | 'अल्फा' बनकर सिल्वर स्क्रीन पर छाएंगी आलिया 08

जन आकांक्षाओं की पूर्ति सरकार का संकल्प शिक्षा-स्वास्थ्य-खेल प्रमुख क्षेत्र : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना उनकी सरकार का मूल संकल्प है और शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल तथा संस्कृति जैसे क्षेत्र इन आकांक्षाओं को साकार करने के प्रमुख माध्यम हैं।

उन्होंने शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी 'सबका साथ, सबका विकास-जन आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर आयोजित बजट के बाद की वेबिनार शृंखला की चौथी कड़ी को संबोधित कर रहे थे। इस वेबिनार में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना केवल एक विषय नहीं, बल्कि सरकार के बजट का मूल उद्देश्य और संकल्प है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे निवेश और सुधार देश के विकास को नई दिशा देने वाले हैं। इन क्षेत्रों के माध्यम से न केवल युवाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल उपचार आधारित व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि एक व्यापक और निवारक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है। पिछले कुछ वर्षों में देश के स्वास्थ्य ढांचे को तेजी से मजबूत किया गया है और योग तथा आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर व्यापक स्वीकार्यता मिली है।

उन्होंने बताया कि देश के सैकड़ों जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं तथा आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से आम नागरिकों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया गया है। प्रधानमंत्री ने 'केयर इकॉनमी' के उभरते महत्व का भी उल्लेख किया और कहा कि दुनिया भर में प्रशिक्षित देखभाल कर्मियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों से युवाओं को इस क्षेत्र में तैयार करने के लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह किया। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि टेली-मेडिसिन ने दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इन सेवाओं को और अधिक सरल बनाने तथा इनके प्रति जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। शिक्षा क्षेत्र पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवाओं की बदलती सोच और ऊर्जा देश की सबसे बड़ी ताकत है।

इसलिए शिक्षा व्यवस्था को भी उसी अनुरूप विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा को वास्तविक अर्थव्यवस्था और बाजार की मांग से जोड़ना बेहद जरूरी होगा। उन्होंने विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमेशन और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत तेजी से नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान आधारित शिक्षण के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके।

प्रधानमंत्री ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में बढ़ती महिला भागीदारी पर भी संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य की तकनीकों में बेटियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक मजबूत शोध पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर जोर दिया जिसमें युवा शोधकर्ताओं को नए विचारों पर प्रयोग करने और नवाचार करने का पूरा अवसर मिले। खेलों के महत्व पर चर्चा करते हुए मोदी ने कहा कि स्वस्थ और अनुशासित युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति का आधार होते हैं। उन्होंने 'खेलो इंडिया' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से देश के छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों से प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभी से युवा खिलाड़ियों को तैयार करना जरूरी है।

तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

इस्तांबुल। पश्चिम एशिया में 10 दिनों से जारी युद्ध के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच वैश्विक तेल बाजार में बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। साल 2022 के बाद यह पहली बार है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ता है तो कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल से भी अधिक हो जाएंगीं। तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु एजेंसी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी इसी स्तर के पार चला गया। तेल की कीमतों में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 10 दिन से जारी युद्ध के कारण हुई है। क्षेत्र में ऊर्जा सुविधाओं और अमेरिकी हितों को निशाना बनाकर किए गए हमलों ने वैश्विक आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अरब की खाड़ी दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा कॉरिडोर में से एक है। इस क्षेत्र से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल वैश्विक बाजार तक पहुंचता है।

ऐसे में यदि यहां किसी प्रकार की बाधा आती है तो इसका सीधा असर पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर पड़ता है। बाजार की सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है।

मणिपुरः अलग-अलग इलाकों से दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में पुलिस एवं सुरक्षा बल लगातार उग्रवादियों, अवैध हथियार एवं धन उगाही से जुड़े लोगों के विरूद्ध अभियान चला रहे हैं। जिसमें लगातार सफलता मिल रही है। वहीं संवेदनशील इलाकों में वाहनों की आवाजाही को सुरक्षित बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। बीते रविवार को मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के थंगल बाजार के प्रजातंत्र गली से एक उग्रवादी संगठन प्रीपाक के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। कैडर की पहचान इंफाल पूर्व जिले के कियामगेई अवांग लेइकाई निवासी थोंगम्बा ताखेलंबम सिंह (27) के रूप में की गयी है।

मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट वापस दिल्ली लौटी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) पर पाबंदियों की वजह से दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई033 को बीच रास्ते से वापस दिल्ली लौटना पड़ा।

फ्लाइटराडार24 की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली से मैनचेस्टर के लिए सोमवार को सुबह उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट (संख्या 6ई033) को पश्चिम एशिया एयरस्पेस में पाबंदियों के बीच इथियोपिया सीमा के पास पहुंचकर हवा से ही वापस मुड़ना पड़ा, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। इंडिगो एयरलाइन ने पिछले साल मुंबई और मैनचेस्टर को जोड़ने वाली अपनी पहली लंबी दूरी की उड़ान शुरू की थी। इसके बाद नवंबर में दिल्ली और मैनचेस्टर के बीच सीधी उड़ानें शुरू की गई थीं। यह 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली से मैनचेस्टर की उड़ान थी।

पेट्रोल, डीजल के दाम फिलहाल नहीं बढ़ेंगे

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बावजूद फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं की जाएगी। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह बात कही। अधिकारियों ने कहा कि सरकार वैश्विक तेल बाजारों पर नजर रख रही है, लेकिन खुदरा ईंधन की कीमतों में तत्काल वृद्धि की कोई योजना नहीं है। ऐसी संभावना है कि तेल विपणन कंपनियां फिलहाल मौजूदा लागत दबाव को वहन करेंगी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ी है। सूत्रों ने बताया कि जमाखोरी को रोकने के लिए घरेलू एलपीजी सिलेंडर भराने के लिए बुकिंग की न्यूनतम प्रतीक्षा अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है।

तमिलनाडु से राज्यसभा की छह सीटों पर सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

चेन्नई। तमिलनाडु में राज्यसभा की छह सीटों के लिए हुए चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) समेत विभिन्न दलों के सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। नामांकन वापसी की अंतिम समय-सीमा सोमवार (9 मार्च) दोपहर 3 बजे समाप्त होने के बाद यह स्थिति स्पष्ट हो गई।

चेन्नई सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्यसभा चुनाव की रिटर्निंग ऑफिसर शांति ने बताया कि तमिलनाडु से राज्यसभा चुनाव मैदान में उतरे सभी छह उम्मीदवारों को निर्विरोध विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि नामांकन वापसी की समय-सीमा समाप्त होने तक किसी भी उम्मीदवार ने अपना नामांकन वापस नहीं लिया और न ही किसी अतिरिक्त प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया, जिसके कारण सभी उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन सुनिश्चित हो गया।

तेलंगाना से कांग्रेस के दो उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

हैदराबाद। तेलंगाना से राज्यसभा की दो सीटों के लिए कांग्रेस के दोनों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। इसकी घोषणा सोमवार को हैदराबाद में चुनाव आयोग के रिटर्निंग ऑफिसर उपेंद्र रेड्डी ने की। रिटर्निंग ऑफिसर उपेंद्र रेड्डी ने बताया कि कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया था। उनके खिलाफ कोई अन्य वैध उम्मीदवार मैदान में नहीं होने के कारण दोनों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

चुनावी हिंसा पर 'शून्य सहनशीलता' की नीति अपनाएगा आयोग : ज्ञानेश कुमार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया है कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग सभी आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी हिंसा के मामले में आयोग की नीति 'शून्य सहनशीलता' की होगी।

विमान में खराबी के कारण फंसे रहे यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री

लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर इंडिगो फ्लाइड में तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण उत्तर प्रदेश के सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत सभी पैसेंजर एक घंटे तक विमान में फंसे रहे।

कूनो में जन्मे पांच शावक, चीतों की संख्या 53

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में चंबल घाटी के सघन वनक्षेत्र के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है और सोमवार को पांच शावकों के जन्म लेने के साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या 53 हो गई है।

देश में चीता परियोजना के लिए केन्द्र सरकार द्वारा चुने गये पहले अभयारण्य कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला तीसरी बार मां बनी है। ज्वाला ने सोमवार 9 मार्च को पांच नन्हें शावकों को जन्म दिया है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में यह खुशी भरा पल भारतीय धरती पर चीतों के दसवें सफल प्रसव का प्रतीक है और इसके साथ ही भारत में जन्मे जीवित शावकों की संख्या 32 हो गई है। इन नए शावकों के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या अब 53 हो गई है। जो देश के दृढ़ और ऐतिहासिक संरक्षण प्रयासों का एक सशक्त प्रतीक है।

नामीबियाई चीता ज्वाला चीता को वर्ष 2022 में 8 चीतों के साथ कूनो राष्ट्रीय उद्यान लाया गया था जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यहां छोड़ा गया था। ज्वाला अब तीन बार शावकों को जन्म देकर भारतीय चीतों का कुनबा बढा चुकी है। मादा चीता ज्वाला ने वर्ष 2023 में पहली बार चार शवकों को जन्म दिया था, इसके बाद जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म दिया था। हालांकि इनमें से कुछ शावकों की मौत हो गई थी, लेकिन अब तीसरी बार ज्वाला ने 9 मार्च 2026 को पांच शावक जन्में हैं। कूनो प्रबंधन के अनुसार सभी शावक स्वस्थ है, जिनकी चिकित्सकों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव में मादा चीता ज्वाला द्वारा शावकों के जन्म की खबर को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा है कि मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया है, जो चीता परियोजना के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके साथ ही, भारत में चीतों की कुल संख्या पचास का आंकड़ा पार कर 53 हो गई है। यह वन्यजीव संरक्षण के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है और भारत में चीता पुनर्वास प्रयासों की सफलता का एक सशक्त प्रमाण है।

इस मौके पर नई दिल्ली में केंद्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारत के महत्वाकांक्षी चीता परियोजना के लिए एक अहम मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि इन पांच शावकों के साथ भारत में चीता की संख्या पचास के पार हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

पांच दिन से किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

नोएडा। सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली किशोरी पांच दिन से लापता है। परिजन द्वारा खोजबीन किए जाने के बाद भी किशोरी का कोई सुराग नहीं लगा। तब जाकर रविवार को थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस किशोरी को खोजने में जुटी है। बिहार वैशाली के एक गांव की रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि वह परिवार के साथ सेक्टर-45 स्थित एक गांव में किराए पर रहते हैं। उनकी 15 वर्षीय बेटी पांच मार्च को स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन दोपहर तक भी घर नहीं पहुंची। परिजन ने किशोरी को आसपास खोजा, लेकिन किशोरी का पता नहीं चला। रिश्तेदारों ने भी किशोरी की जानकारी होने से इनकार किया। परिजन ने किशोरी के साथ अनहोनी होने की आशंका जताई है। पुलिस से शिकायत की। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि पीड़ित स्वजन की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज कर जांच कराई जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे और सर्विलांस की मदद ली जा रही है।

बाथरूम में नहा रही महिला के साथ छेड़छाड़, पड़ोसी पर मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। बाथरूम में नहाते समय पड़ोसी युवक ने महिला के साथ छेड़छाड़ की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने बताया कि बुधवार कि दोपहर वह अपने घर के बाथरूम में नहा रही थी। महिला ने बताया कि बाथरूम में दरवाजा नहीं है, जिसका फायदा उठाते हुए आरोपी पवन बाथरूम में अंदर घुस आया। इसी बीच आरोपी ने महिला के साथ छेड़छाड़ की। पीड़िता के शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गया। पीड़िता ने यह बात अपने पति को बताई। इसके बाद पति-पत्नी दोनों कोतवाली पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

तीन बदमाश स्कूटी और मोबाइल लेकर फरार

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में तीन बदमाश एक युवक की स्कूटी और मोबाइल लेकर भाग गए। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। लखनावली गांव के रहने वाले नवीन शर्मा ने पुलिस को बताया कि बीते सोमवार को वह गांव में पुस्ता के समीप बैठा हुआ था। इसी बीच तीन युवक उसके पास पहुंचे और पानी की बोतल लाने के लिए स्कूटी मांगी। पीड़ित ने उन्हें स्कूटी की चाबी दे दी। इसके बाद तीनों आरोपी स्कूटी लेकर चले गए। पीड़ित ने बताया कि स्कूटी की डिग्गी में उसका मोबाइल भी रखा हुआ था। नवीन के मुताबिक काफी देर बाद भी तीनों युवक उसकी स्कूटी लेकर वापस नहीं आए।

डेल्टा-दो में पार्कों की हालत खराब, लोग परेशान

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर डेल्टा-2 में ग्रीन बेल्ट और पार्कों की स्थिति खराब है। लोगों की शिकायत पर भी प्राधिकरण ने कोई कार्रवाई नहीं की। डेल्टा-2 आरडब्ल्यूए महासचिव आलोक नागर ने बताया कि सेक्टर के पार्कों में बच्चों के सभी झूले टूटे हुए हैं। नई कुर्सियों की मांग लंबे समय से की जा रही है, जबकि टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हुए भी कई महीने व्यतीत हो चुके हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान

नोएडा। सेक्टर-128 स्थित जेपी पब्लिक स्कूल में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्कूल की प्रचार्या अंजलि मलिक को ओजस्विनी एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम स्किलवेद की पहल के तहत मेविशा फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व और योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में घरेलू हिंसा भरण-पोषण व उत्पीड़न के 50 मामले दर्ज

नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें सदस्य के समक्ष प्रस्तुत कीं। इस दौरान महिलाओं से संबंधित लगभग 50 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, भरण-पोषण, उत्पीड़न के मामले प्रमुख रूप से शामिल रहे।

जनसुनवाई के दौरान डॉ. मीनाक्षी भराला ने फरियादी महिलाओं की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा प्रत्येक मामले का संज्ञान लेते हुए मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण किया जाए। जिससे पीड़ित महिलाओं को शीघ्र न्याय मिल सके और उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। बैठक में उपस्थित पुलिस विभाग, महिला कल्याण विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों से डॉ. मीनाक्षी भराला ने कहा कि कार्यालयों में आने वाली फरियादी महिलाओं की समस्याओं को अत्यंत संवेदनशीलता, सहानुभूति और मधुर व्यवहार के साथ उनकी समस्याएं सुनी जाए। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाएं सामाजिक और पारिवारिक दबाव के कारण अपनी समस्याएं खुलकर नहीं रख पाती हैं, ऐसे में अधिकारियों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे उन्हें भरोसा दिलाएं और न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाएं। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सदस्या द्वारा जनसुनवाई में उपस्थित महिला अधिकारियों, कर्मचारियों तथा फरियादी महिलाओं को पौधे भेंटकर उन्हें महिला दिवस की शुभकामनाएं भी दी गईं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी, एडिशनल पुलिस कमिश्नर मुख्यालय अजय कुमार, डीसीपी महिला सुरक्षा अनुकृति शर्मा, एसीपी दीक्षा सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, एसीएमओ टीकम सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बाल अपचारी के साथ फोन झपटने वाला गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस ने बाल अपचारी के साथ मिकलकर राहगीरों से मोबाइल फोन झपटमारी करने वाले शातिर बदमाश को दबोच लिया। उसके छह मोबाइल फोन, एक बाइक और एक अवैध हथियार बरामद हुआ। पुलिस ने बाल अपचारी को भी अभिरक्षा में लिया है। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि रविवार शाम थाना क्षेत्र में पुलिस टीम जांच कर रही थी। तभी बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवक मिले। उन्हें रोककर बाइक के दस्तावेज मांगे तो वह दिखाने में असमर्थ रहे। पूछताछ करने पर पता चला कि बाइक पर पीछे बैठा युवक नाबालिग है। उसे अभिरक्षा में ले लिया। बाइक चलाने वाले की पहचान जिला हरदोई के कृपालपुर गांव निवासी अरुण के रूप में हुई। दोनों वर्तमान में होशियापुर गांव में किराए पर रहते हैं। इनके पास से छह मोबाइल फोन और एक अवैध हथियार बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बाल अपचारी के साथ मिलकर लोगों से मोबाइल फोन छीनता और चोरी करता है। छीने गए मोबाइल फोन को मजबूरी बताकर राह चलते व्यक्तियों को ओने-पौने दामों में बेच देता है।

> छह मोबाइल, एक बाइक और हथियार बरामद बाल अपचारी को भी अभिरक्षा में लिया गया

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। फर्जी वर्क वीजा तैयार कर विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए थाना बिसरख पुलिस ने एक अभियुक्त गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे 8 पासपोर्ट, 90 विजिटिंग कार्ड, 24 फर्जी वीजा (फोटो कापी), 6 वीजा खाली लिफाफा, 37 स्काई वीजा वेंचर लेटर पैड, एक फर्म रजिस्ट्रेशन, 2 फर्म सर्टिफिकेट, 2 कूट मोहर, 3 मोबाइल तथा 47 हजार रुपये नकद बरामद किया है। पुलिस इस गिरोह में शामिल अन्य अभियुक्तों की तलाश कर रही है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि ठगी के शिकार एक युवक ने थाना बिसरख पर तहरीर देकर सूचना दी थी कि अभियुक्त सक्षम शर्मा उर्फ बिट्टू शर्मा व राजीव शर्मा उर्फ सुरेन्द्र द्वारा गौर सिटी मॉल में स्काई वीजा वेंचर नामक ऑफिस खोलकर कॉलिंग व अन्य माध्यम से सम्पर्क में में आये लोगो को विदेश भेजने के नाम पर वर्क वीजा तैयार कराने का भरोसा देकर उनसे उनका पासपोर्ट प्राप्त कर फर्जी कूटरचित वीजा तैयार करके व्हाट्सएप के माध्यम से ग्राहकों को भेजे गये थे। इस तरीके से अभियुक्तों द्वारा कई लोगों के साथ लाखों रुपये की ठगी की गई। उन्होंने बताया कि घटना के सफल अनावरण के लिए पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देशन में कई गठित टीम की गई। आज थाना बिसरख पुलिस टीम द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से अभियुक्त सक्षम शर्मा उर्फ बिट्टू पुत्र पालाराम को सांई नर्सरी के सामने एटीएस रोड़ थाना क्षेत्र बिसरख से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त के अन्य साथी राजीव शर्मा उर्फ सुरेन्द्र की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है।

डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला है कि अभियुक्त सक्षम शर्मा उर्फ बिट्टू व राजीव शर्मा उर्फ सुरेन्द्र द्वारा गौर सिटी मॉल में स्काई वीजा वेंचर की ऑफिस खोलकर (बिट्टू द्वारा अपना फर्जी नाम सक्षम शर्मा तथा सुरेन्द्र द्वारा अपना फर्जी नाम राजीव शर्मा बताकर) कॉलिंग व अन्य माध्यम से सम्पर्क में आये लोगों को विदेश (फिनलैण्ड, पॉलैण्ड, रुस) भेजने के नाम पर वर्क वीजा तैयार करने का भरोसा देकर उनसे उनका पासपोर्ट प्राप्त किर लिया जाता है तथा प्रत्येक ग्राहक से 80 हजार से 1 लाख रूपये की फीस तय कर रकम वसूलते है तथा कुछ लोगो के साथ विदेश भेजने तथा नौकरी की गारण्टी देने के एग्रीमेंट भी तैयार किये गये है। ग्राहकों के द्वारा वीजा व अपना पासपोर्ट मांगे जाने पर अभियुक्तगण के द्वारा फर्जी कूटरचित वीजा तैयार कर ग्राहकों को उनके फोन पर भेज जाते थे। जिनकी ग्राहकों के द्वारा संबंधित एंबेसी से जानकारी करने पर पता करने पर वीजा फर्जी व कूट रचित पाये जाते थे।

उन्होंने बताया कि अभियुक्त सक्षम शर्मा उर्फ बिट्टू द्वारा बताया गया कि वह लोगति को विदेश भेजने के नाम पर फर्जी वीजा आदि तैयार करने का काम करता था। जिसके संबंध में पूर्व में थाना मेडिकल जनपद मेरठ तथा पानीपत हरियाणा में भी मुकदमा पंजीकृत है। डीसीपी ने बताया कि अभियुक्तों द्वारा मिलकर सैंकडों लोगों के साथ लाखा रुपये की ठगी की गई है।

उद्यमियों ने डीएम संग की बैठक, बदहाल सड़कों की मरम्मत कराने की मांग

नोएडा। उद्यमियों की संस्था नोएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन (एनईए) का एक प्रतिनिधिमण्डल अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन के नेतृत्व में गौतमबुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम से सेक्टर-27 स्थित कार्यालय में मिला। इस दौरान उद्यमियों ने डीएम को विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। वहीं जनपद के विभिन्न जगहों पर बदहाल हो चुकी सड़कों की मरम्मत कराने की मांग उद्यमियों ने डीएम से की।

नोएडा के सेक्टर-27 स्थित डीएम कैंप कार्यालय पर डीएम से मुलाकात के दौरान एनईए अध्यक्ष ने बताया कि विगत 2 वर्षों से नोएडा की सभी सड़कें टूटी पड़ी है। जगह-जगह गहरे गड्ढे हो रखें है, जिसमें लोगों का चलना भी दूभर हो गया है, सड़के टूटी होने के कारण वाहनों को भी क्षति पहुँच रही है और यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ सड़कों पर उड़ती धूल के कारण वातावरण भी प्रदूषित हो रहा है। उन्होंने डीएम से कहा कि प्राधिकरण का ध्यान इस ओर आकर्षित कर 2 माह में सड़कों की मरम्मत करने के लिए दिशा-निर्देश जारी करें। जिससे लोगों को सड़कों पर चलना सुगम हो सके। बैठक के दौरान एनईए प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि नोएडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट शीघ्र ही शुरू होने वाला है। यमुना औद्योगिक क्षेत्र की ओर जाने वाले मार्ग जो कि नोएडा एक्सप्रेस-वे की ओर जाता है। उसमें 2-2 घंटे तक जाम लगा रहता है। उन्होंने कहा कि जब तक नोएडा से परी चैक तक प्राधिकरण द्वारा सड़क नहीं बनाई जाती तब तक सेक्टर-94 से शुरू होकर सेक्टर-150 तक जाने वाला पुस्ता बाध रोड़ की मरम्मत यदि प्राधिकरण करवा दे तो इससे काफी हद तक यातायात सुगम हो जाएगा और एयरपोर्ट तक पहुँचने में भी लोगों को आसानी होगी। एनईए प्रतिनिधिमंडल द्वारा बताई गई उक्त सभी समस्याओं को सुनने के बाद डीएम ने कहा कि इस संदर्भ में हमें पत्र लिख कर दे दें। जिससे संबंधित प्राधिकरण को इस संदर्भ में निर्देशित किया जा सके।

बातों में उलझाकर महिला के कुंडल ले भागे बदमाश

नोएडा। सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के सदरपुर गांव में रहने वाली महिला से पता पूछने के बहाने बातों में उलझाकर तीन टप्पेबाज गहने उतरवा ले गए। महिला ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रविवार को मुकदमा दर्ज कराया।

सेक्टर-45 स्थित सदरपुर गांव में रहने वाली कविता ने पुलिस को बताया कि वह परिवार संग रहती हैं। वह 24 जनवरी को अपनी बेटी को स्कूल से लेने जा रही थीं। रास्ते में एक अनजान व्यक्ति और महिला मिले। व्यक्ति ने आनंद विहार जाने का पता पूछा। महिला ने सेक्टर-37 पहुंचकर वहां से साधन मिलने की बात कही। इसी दौरान दूसरा व्यक्ति भी आ गया और कविता की बात का समर्थन किया। इसी बीच महिला ने कविता के चेहरे पर कुछ छिड़क दिया। तीनों ने मिलकर कविता से कुंडल समेत गहने उतरवा लिए और कविता को सड़क किनारे बैठाकर चले गए।

कुछ देर बाद कविता मूर्छितावस्था से बाहर आई और घर पहुंचकर पति को आपबीती सुनाई। महिला ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

शहर के नियोजित विकास के साथ यातायात व्यवस्था बेहतर बनाएंगे: जीडीए उपाध्यक्ष

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम के बुनकर मार्ट में जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने पत्रकारों को बताया कि शहर का नियोजित विकास होगा। आधुनिक अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण, खेल सुविधाओं के विस्तार के साथ ही निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजना चल रही है या भविष्य में लाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि शहर में जाम की समस्या को दूर करने के लिए एलिवेटेड रोड पर दिल्ली और वसुंधरा के लिए नए स्लिप रोड बनेंगे।

इनके बनने के बाद सिद्धार्थ विहार में रहने वाले लाखों लोग दिल्ली और मेरठ जाने के लिए राजनगर एक्सटेंशन एलिवेटेड रोड से आना जाना कर सकेंगे। वहीं, वसुंधरा के लोगों को दिल्ली जाने के लिए एलिवेटेड रोड पर चढ़ने सकेंगे। फिलहाल वसुंधरा में रहने वाले मेरठ और राजनगर एक्सटेंशन ही जा पाते हैं। उन्होंने बताया कि एलिवेटेड से स्लिप रोड देकर नदी के पास सिद्धार्थ विहार को जोड़ा जाएगा और कनावनी पुलिया के पास वसुंधरा को दिल्ली से कनेक्टिविटी दी जाएगी। इस प्रोजेक्ट को लेकर मंगलवार को शासन स्तर पर जीडीए प्रजेंटेशन देगा। इस प्रजेंटेशन के बाद ही शासन स्तर से प्रोजेक्ट के लिए 100 करोड़ रुपये का फंड मिलेगा। जीडीए वीसी ने कहा कि उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट जल्द शुरू होगा। साथ ही सिद्धार्थ विहार और वसुंधरा के लोगों को फायदा होगा। एनएच नौ पर भी ट्रैफिक का दबाव कम होगा। उन्होंने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन की पांच से अधिक जोनल सड़कों का काम तेज कर दिया गया है। मार्च से जून 2026 के बीच कई प्रमुख सड़कें बनकर तैयार हो जाएंगी। हापुड़ चुंगी से डायमंड कट तक नया फ्लाइओवर बनेगा। अगले वित्तीय वर्ष के लिए करीब 3,496 करोड़ रुपये की आय और 3,287 करोड़ रुपये के खर्च का लक्ष्य रखा गया है।

इन गोल चक्कर पुनर्विकास होगा

शहर के प्रमुख गोल चक्करों का ग्रीनलैंड थीम पर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इससे शहर की सुंदरता और ट्रैफिक प्रबंधन दोनों में सुधार होगा। प्रथम चरण में पांच गोल चक्करों का पुनर्विकास किया जाएगा। सेठ मुकंदलाल चौराहा और डायमंड कट को सिग्नल फ्री किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम तैयार होगा

जीडीए वीसी ने बताया कि राजनगर एक्सेटंशन में 450 करोड़ रुपये की लागत से 55 हजार दर्शकों की क्षमता वाला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनने जा रहा है। साथ ही एयरोसिटी नाम से टाउनशिप बसेगी। इसमें उच्च स्तरीय आवासीय परिसर, वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स, होटल एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र, रिटेल एवं शॉपिंग जोन, खेल अकादमी, संस्थागत क्षेत्र, मल्टीलेवल पार्किंग, स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन होगा। इसके अलावा इसी क्षेत्र में 'हरनंदीपुरम' के रूप में सुनियोजित टाउनशिप बसाई जाएगी।

हरियाली को लेकर थीम पार्क

गाजियाबाद में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को देखते हुए पर्यावरण व थीम पार्क पर फोकस किया गया है। ताकि लोगों को ताजी हवा मिल सके। इसके लिए कोयल एन्क्लेव में रामायण पार्क, इंदिरापुरम में संस्कृति दर्शन पार्क, राजेंद्रनगर में डा राम मनोहर लोहिया पार्क और मधुबन बापूधाम में विकसित भारत पार्क बन रहे है। साथ ही सिटी फॉरेस्ट को 55 करोड़ रुपये खर्च कर दोबारा सजाया जा रहा है, जहाँ लोग डायनासोर पार्क, फिशिंग, हॉर्स राइडिंग और जंगल स्टे का आनंद ले सकेंगे।

बाढ़ से बचाव और बुनियादी सुविधाएँ

हिंडन नदी के किनारे तटबंध बनाने का फैसला लिया गया है, जिससे हर साल आने वाली बाढ़ का खतरा टलेगा और नदी किनारे सड़क बनने से ट्रैफिक भी सुधरेगा। इसके अलावा, मधुबन बापूधाम और कोयल एन्क्लेव जैसी पुरानी कॉलोनियों में सड़कों की मरम्मत, सीवर सफाई और बिजली के सब-स्टेशन बनाने के लिए करोड़ों के टेंडर जारी किए गए हैं।

दिल्ली हाईकोई में शराब घोटाले पर याचिका स्वीकार, वीरेन्द्र सचदेवा ने किया स्वागत

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा कथित शराब घोटाले के मामले में निचली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अदालत के उस निर्णय के विरुद्ध दायर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार किए जाने पर दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने स्वागत व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया लंबी अवश्य हो सकती है, किंतु अंततः सत्य की ही विजय होती है और इस प्रकरण में भी तथ्य न्यायालय के समक्ष स्पष्ट होंगे। दिल्ली भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि उच्च न्यायालय में विस्तृत और तार्किक सुनवाई के बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित अन्य आरोपितों को निचली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अदालत द्वारा दिए गए डिस्चार्ज आदेश के विरुद्ध दायर याचिका को स्वीकार किया जाना न्यायिक प्रक्रिया की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनका कहना था कि अब इस मामले में विस्तृत बहस के बाद सच्चाई सामने आएगी। पत्रकार सम्मेलन का संचालन भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने किया।

वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली भाजपा निचली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अदालत का पूरा सम्मान करती है, किंतु जिस प्रकार दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के अधिकारियों के विरुद्ध की गई टिप्पणियों पर रोक लगाई है, वह स्वयं निचली अदालत के निर्णय पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ विधि विशेषज्ञों ने भी निचली अदालत के फैसले में कई कमियों की ओर संकेत किया है।

उन्होंने बताया कि अनेक बिंदु ऐसे हैं जो इस मामले में गंभीर प्रश्न उठाते हैं। इनमें न्यायमूर्ति रंजन गोगोई समिति की रिपोर्ट की अनदेखी किए जाने का मुद्दा, एक आरोपित जाकिर खान द्वारा कथित रूप से फर्जी ईमेल के माध्यम से जनमत प्रभावित करने का प्रयास तथा गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान हवाला भुगतान से जुड़े कथित प्रमाण शामिल हैं। सचदेवा ने दावा किया कि इन मामलों से जुड़े दस रुपये के नोट का उल्लेख भी जांच में सामने आया है। वीरेन्द्र सचदेवा ने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा प्रवर्तन निदेशालय की ओर से चल रही न्यायिक कार्यवाही को जारी रखने की अनुमति दिया जाना न्यायिक प्रक्रिया को और मजबूत बनाता है।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल का निचली अदालत से बरी होना कोई असामान्य घटना नहीं है। इससे पहले भी कई घोटालों के आरोपों में घिरे नेता निचली अदालतों से राहत प्राप्त कर चुके हैं, किंतु बाद में उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय की प्रक्रिया में कई मामलों में कठोर दंड भी सुनाया गया है। उदाहरण देते हुए उन्होंने लालू प्रसाद यादव, ए. राजा और कनिमोझी जैसे नेताओं का उल्लेख किया। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली भाजपा का मानना है कि न्यायालय में होने वाली विस्तृत सुनवाई से पूरे प्रकरण की वास्तविकता स्पष्ट होगी और यदि कोई अनियमितता हुई है तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

शराब नीतिः उच्च न्यायालय ने सीबीआई की अर्जी पर केजरीवाल, सिसोदिया से जवाब मांगा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को अधीनस्थ अदालत द्वारा आरोप मुक्त किये जाने के विरूद्ध सीबीआई की याचिका पर सोमवार को आरोपियों से उनका पक्ष बताने को कहा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 16 मार्च तय की।

उच्च न्यायालय ने कहा कि वह निचली अदालत को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धनशोधन मामले की जांच पर कार्यवाही को बाद की तारीख तक स्थगित करने का आदेश देगी। सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा किए गए अनुरोध पर, उच्च न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि वह सीबीआई अधिकारियों पर अधीनस्थ अदालत द्वारा की गई 'पूर्वग्रहपूर्ण टिप्पणियों' के अमल पर रोक लगाएगी। मेहता ने अदालत से सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए समय निर्धारित करके अंतिम निर्णय लेने का आग्रह किया। मेहता ने तर्क दिया कि आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और सिसोदिया को अरोप मुक्त करने का निचली अदालत का आदेश अनुचित था और 'आपराधिक कानून को ही उलट देता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि शराब नीति का मामला सबसे बड़े घोटालों में से एक था और भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण था।

मेहता ने दावा किया कि निचली अदालत ने केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के पक्ष में बिना सुनवाई के आरोप मुक्त करने का आदेश सुना दिया। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी ने शराब नीति में हेरफेर के लिए साजिश और रिश्वतखोरी को दर्शाने वाले विस्तृत सबूत जुटाए थे। उन्होंने कहा कि केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं और सीबीआई के मामले के पक्ष में कई गवाह हैं।

निचली अदालत ने 27 फरवरी को केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को आरोप मुक्त कर दिया और सीबीआई को फटकार लगाते हुए कहा कि उसका मामला न्यायिक जांच में पूरी तरह से विफल रहा और पूरी तरह से निराधार साबित हुआ। इस मामले में जिन 21 लोगों को क्लीन चिट दी गई है, उनमें तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता भी शामिल हैं। सीबीआई आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार द्वारा अब रद्द की जा चुकी शराब नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-एनसीआर में प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने राहुल कुमार नामक एक व्यक्ति को दिल्ली-एनसीआर में प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसके पास से भारी मात्रा में प्रतिबंधित टैबलेट, कैप्सूल और कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद हुए। क्राइम ब्रांच की टीम ने एक ऐसे आरोपित को गिरफ्तार किया है जो दिल्ली समेत एनसीआर में प्रतिबंधित श्रेणी की दवाओं की तस्करी में शामिल था। आरोपित की पहचान राहुल कुमार के रूप में हुई है, जिसके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित टैबलेट्स, कैप्सूल और कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किए गए हैं। पुलिस इससे पूछताछ कर इन प्रतिबंधित श्रेणी की दवाओं के मुख्य स्रोत और इन्हें कहां सप्लाई की जानी थी उसकी जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, क्राइम ब्रांच की वेस्टर्न रेंज-1 टीम को छह मार्च को गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल कुमार नामक तस्कर विकास नगर और हस्तसाल गांव के पास प्रतिबंधित श्रेणी की दवाइयों की सप्लाई कर रहा है और वह इन दवाओं की सप्लाई करने के लिए हस्तसाल रोड पर आने वाला है। सूचना पर एसीपी राज कुमार के निर्देशन में एक विशेष रेडिंग टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने हस्तसाल रोड पर जाल बिछाया। शाम करीब 5:15 बजे एक काले रंग की स्कूटी पर सवार संदिग्ध वहां आया और किसी का इंतजार करने के लिए वहां रुक गया।

कुत्ते से कटवाने का विरोध करने पर दंपति को पीटा

नई दिल्ली। दल्लूपुरा इलाके में कुत्ते से कटवाने का विरोध करने पर दंपति की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। आरोपियों ने 24 वर्षीय शिवम पर छुरे और डंडे से हमला किया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घायलों के बयान के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और वारदातस्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार, शिवम दल्लूपुरा की हरिजन बस्ती में परिवार के साथ रहते हैं और वसुन्धरा एन्क्लेव में ठेली चलाते हैं। तीन मार्च की शाम नौ बजे वह पत्नी नजराना और डेढ़ साल की बेटी रूही के साथ टहल रहे थे। चंटू चिकन शॉप के पास आरोपी नीलम ने अपने पालतू कुत्ते को उन्हें काटने के लिए कहा। विरोध करने पर आरोपी महिला ने हाथापाई की, जिससे नजराना और रूही चोटिल हो गईं।शिवम ने विरोध किया तो आरोपी महिला ने अपनी बहनों समेत कई लोगों को बुलाकर दंपति को जमकर पीटा। कुछ देर बाद अरविंद, मनीष, प्रवीण व एक अन्य व्यक्ति घर के बाहर आकर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए हमला किया।

शराब नीति मामले में जांच का रास्ता साफ, आप को जनता से माफी मांगनी चाहिए : सूद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा कथित शराब नीति घोटाले में निचली अदालत से डिस्चार्ज किए गए 20 आरोपितों को नोटिस जारी करने और निचली अदालत की कुछ टिप्पणियों पर रोक लगाने के फैसले का दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे दिल्ली के पैसे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार की जांच का रास्ता साफ हुआ है।

दिल्ली सचिवालय में सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए आशीष सूद ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के नाम पर राजनीति शुरू की थी, लेकिन न तो 49 दिन की सरकार के दौरान और न ही उसके बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई गंभीर प्रयास दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि अब जांच एजेंसियां और अदालत इस मामले में आगे की कार्रवाई करेंगी। सूद ने कहा कि हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने निचली अदालत की कुछ टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने खुद को जल्दबाजी में कट्टर ईमानदार घोषित कर दिया था, जबकि अब सच्चाई धीरे-धीरे सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि कथित शराब घोटाले से जुड़े साक्ष्य मिटाने के लिए आआपा के नेताओं ने 170 मोबाइल फोन और 43 सिम कार्ड नष्ट किए।

उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच एजेंसियों ने सैकड़ों लोगों से पूछताछ की है और कई लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में लगभग 2202.68 करोड़ रुपये के संभावित नुकसान का उल्लेख किया गया है। उनके अनुसार पुरानी शराब नीति में एक बोतल पर सरकार को लगभग 329.90 रुपये का राजस्व मिलता था, जबकि नई नीति में यह घटकर करीब 8.32 रुपये रह गया।

सार्वजनिक जीवन का उद्देश्य सिर्फ राजनीति नहीं बल्कि लोगों के हित में नीतियां बनाना है : गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कहा कि एक सशक्त लोकतंत्र का सार केवल राजनीतिक बहस तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे सार्थक और प्रभावी नीति-क्रियान्वयन तक पहुंचाना आवश्यक है।

लोकतंत्र में विभिन्न मत और असहमति स्वाभाविक है, किंतु शासन की वास्तविक सफलता इस बात से मापी जाती है कि कानून और नीतियां आम नागरिक के जीवन पर कितना सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। विजेंद्र गुप्ता ने श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ के कार्यक्रम 'माइन्ड्यूक्टर 14.0' को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल राजनीति नहीं, बल्कि ऐसी नीतियां बनाना है जो लोगों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी विधायी संस्थाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि विधानसभाएं और संसद ऐसे मंच हैं जहां सार्वजनिक मुद्दों पर गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ विचार-विमर्श किया जाता है तथा समाज के हित में नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं।

छात्रों, प्राध्यापकों और युवा नेतृत्वकर्ताओं की सभा में गुप्ता ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा किया तथा नेतृत्व, सुशासन, राष्ट्र-निर्माण और सार्वजनिक नीति के भविष्य को आकार देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि एक विकसित भारत की पहचान उन संस्थानों से होती है जो ईमानदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हैं तथा उन कानूनों से जो प्रत्येक नागरिक की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करते हैं। श्रीराम कॉलेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता को 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्य से जोड़ते हुए गुप्ता ने कहा कि किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान केवल आर्थिक प्रगति से नहीं होती।

वास्तविक विकास संस्थागत मजबूती, अवसरों के विस्तार और ऐसी संवाद संस्कृति से उत्पन्न होता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करती है। जब विभिन्न विचारों को सम्मान और शालीनता के साथ सुना और उन पर विमर्श किया जाता है तो सार्वजनिक नीतियां अधिक संतुलित और स्थायी बनती हैं।

भारत के आर्थिक और प्रशासनिक भविष्य के निर्माता के रूप में छात्रों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की जिम्मेदारी आज के युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने एसआरसीसी के प्रतिभाशाली और विचारशील छात्रों, भविष्य के अर्थशास्त्रियों, प्रशासकों और उद्यमियों को अपनी पेशेवर भूमिकाओं को सामाजिक और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व के दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित किया। संबोधन के अंत में विधानसभा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि युवाओं के विचार और प्रयास व्यापक राष्ट्रीय हित और समाज की सेवा के उद्देश्य से प्रेरित होंगे, तो एक ऐसे विकसित भारत का सपना साकार होगा जहां शासन उद्देश्यपूर्ण हो और कानून वास्तव में जनता की सेवा करें।

उत्तम नगर में होली विवाद के सिलसिले में सात और लोग गिरफ्तार, एक नाबालिग भी पकड़ा गया

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने यहां उत्तम नगर में होली के दौरान दो परिवारों के बीच हुई झड़प में 26 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में सात और लोगों को गिरफ्तार किया है तथा एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में अब तक कुल 14 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं तथा दो नाबालिगों को भी पकड़ा गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हालिया कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए लोगों में तीन महिलाएं भी हैं जिनकी पहचान सायरा उर्फ काली (40), शरीफान (50) और सलमा (36) के रूप में हुई हैं। ये सभी उत्तम नगर की निवासी हैं।

अधिकारी ने बताया कि उन्हें घटना के संबंध में पूछताछ के लिए पहले ही हिरासत में लिया गया था। अधिकारी के अनुसार गिरफ्तार अन्य आरोपियों में सुहैल उर्फ साहिल (21), समीर चौहान (20), फिरोज (22) और इस्माइल (50) शामिल हैं तथा ये सभी भी इसी इलाके के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि हिंसा में शामिल होने के आरोप में 14 वर्षीय नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सायरा उर्फ काली वही महिला थी जिससे कथित तौर पर विवाद हुआ था।

यह झगड़ा तब शुरू हुआ जब पीड़ित परिवार की एक छोटी बच्ची ने पानी का गुब्बारा फेंका, जो पास से गुजर रही काली पर फट गया और उस पर पानी के छींटे पड़ गए। इसके बाद दोनों परिवारों के बीच कहासुनी हुई जो चार मार्च को घनी आबादी वाले जेजे कॉलोनी क्षेत्र में हिंसक झड़प में तब्दील हो गई। पुलिस ने बताया कि झड़प के दौरान, कथित तौर पर कई लोगों ने 26 वर्षीय तरुण पर हमला किया तथा घायल तरुण की अस्पताल में पांच मार्च को मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है जिसके मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भारी तैनाती की गई।

द्वारका के उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि पुलिस टीम झड़प में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं तथा मामले की जांच जारी है।

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परशुराम सेना सहित विभिन्न संगठनों ने जंतर-मंतर के पास यूजीसी के विवादित नियमों के खिलाफ प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों से आए प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने जंतर-मंतर जाने से रोका और अनुमति न होने का हवाला दिया। यूजीसी के विवादित नियमों के विरोध में रविवार को जंतर मंतर के नजदीक राष्ट्रीय परशुराम सेना समेत अन्य संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, बिहार व हरियाणा सहित अन्य राज्यों से लोग पहुंचे थे। उनके हाथ में विरोध जताते बैनर, पोस्टर थे। ये सभी जंतर-मंतर धरना स्थल पहुंचने की कोशिश में थे, लेकिन पुलिस ने अनुमति नहीं होने का हवाला देकर उन्हें वहां नहीं जाने दिया। उसके बाद हंगामा करने पर कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। पहले प्रदर्शनकारी संसद मार्ग पर जुटे थे। इस मौके पर कई प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कानून ऐसा बनाना चाहिए जो सभी समाज और वर्ग के हितों की रक्षा करे।

टीम इंडिया की जीत पर पूरी रात झूमी दिल्ली देर रात तक सड़कों पर चला जश्न

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम की शानदार जीत के बाद देश की राजधानी दिल्ली में देर रात तक उत्सव का माहौल बना रहा। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी में एक जैसा उत्साह देखने को मिला। शहर की सड़कों, बाजारों और प्रमुख स्थलों पर लोगों ने जमकर खुशी मनाई और 'चक दे इंडिया' के नारों के साथ जीत का जश्न मनाया।

फाइनल मुकाबले को लेकर दिल्ली के होटल, भोजनालयों और क्लबों में विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। कई स्थानों पर बड़ी स्क्रीन लगाकर मैच देखने की सुविधा दी गई थी, जिससे बड़ी संख्या में लोग एक साथ बैठकर मुकाबले का आनंद ले सकें। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले के बाद फाइनल को लेकर लोगों में विशेष उत्सुकता थी। वहीं न्यूजीलैंड द्वारा दक्षिण अफ्रीका पर प्रभावशाली जीत के कारण समर्थकों के मन में कुछ आशंकाएं भी थीं, लेकिन भारतीय टीम ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर मुकाबले को एकतरफा बना दिया। रविवार को अवकाश का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में लोग घरों में बैठकर भी मैच देख रहे थे। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, भारतीय टीम की स्थिति मजबूत होती गई और अंत में विरोधी टीम पूरे ओवर भी नहीं खेल सकी।

भारतीय टीम की जीत तय होते ही घरों में बैठे लोग सड़कों पर निकल आए। जगह-जगह आतिशबाजी हुई, मिठाइयां बांटी गईं और वाहन रैलियों के साथ लोग खुशी का इजहार करते नजर आए। कनॉट प्लेस, इंडिया गेट और शहर के प्रमुख बाजारों व मॉल के आसपास बड़ी संख्या में लोगों का जमावड़ा लगा रहा। लोग नाचते-गाते और नारे लगाते हुए जीत का उत्सव मना रहे थे। इस दौरान पुलिस ने भी संयमित भूमिका निभाई और शांति बनाए रखते हुए लोगों को खुशी मनाने का अवसर दिया।

टीम इंडिया की जीत का लाभ सड़क किनारे व्यापार करने वालों को भी मिला। रेहड़ी और ढाबा चलाने वालों का कहना था कि अवकाश के दिन दिनभर कारोबार धीमा रहा और काफी सामान बच गया था, लेकिन जीत के बाद जब लोग सड़कों पर उमड़े तो कुछ ही समय में उनका पूरा सामान बिक गया। लोगों में इतनी खुशी थी कि कोई कीमत की परवाह नहीं कर रहा था। यह जश्न राजनीति से भी दूर दिखाई दिया।

विभिन्न दलों के कई नेता भी अपने समर्थकों के साथ सड़कों पर उतरकर टीम इंडिया की जीत का उत्सव मनाते नजर आए। उनका कहना था कि यह पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है और भारतीय क्रिकेट ने एक नया इतिहास रचा है। लोगों का कहना था कि इस जीत ने त्योहार जैसा माहौल बना दिया। होली के समय दिवाली जैसा दृश्य दिखाई दिया। समर्थकों ने पटाखे जलाकर और फुलझड़ियां छोड़कर अपनी खुशी व्यक्त की। इस जीत की गूंज शहर के हर हिस्से में सुनाई दी। रमजान के पवित्र माह के कारण देर रात तक रहने वाली रौनक में भी इस जीत की खुशी साफ नजर आई। लोग एक-दूसरे को बधाई देते हुए दिखाई दिए और इसे पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। राजधानी में देर रात तक उत्सव का यही माहौल बना रहा।

DTC बस की चपेट में आकर दो की मौत गुस्साई भीड़ ने बसों में की तोड़फोड़

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद जमकर बवाल हुआ। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की एक तेज रफ्तार लो-फ्लोर बस ने सड़क पार कर रहे दो लोगों को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल है।

हादसे के बाद गुस्साई भीड़ ने कई बसों में तोड़फोड़ की और एक बस को आग के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार यह हादसा नांगलोई-नजफगढ़ रोड पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तेज रफ्तार डीटीसी बस ने सड़क पार कर रहे दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ, जिसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे की खबर फैलते ही इलाके में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने बस चालक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क पर खड़ी करीब दर्जन भर बसों में तोड़फोड़ कर दी। इस दौरान एक बस को आग के हवाले कर दिया गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार सुबह करीब 10:10 बजे बस में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद तीन फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, हालांकि तब तक बस का बड़ा हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो चुका था। बाहरी जिले के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बस चालक की तलाश की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

बालेन को दिखानी होगी परिपक्वता

नेपाल में जेन-जेड आंदोलन के बाद हुए संसदीय चुनाव के परिणामों ने देश की राजनीति में क्रांतिकारी परिवर्तन का संकेत दिया है। 165 सीटों में से 72 पर जीत हासिल कर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है। पार्टी के प्रदर्शन में देश के युवा नेता बालेंद्र शाह सबसे अहम चेहरा बन कर उभरे हैं। पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जेड आंदोलन को नेपाल की दूसरी बड़ी जनक्रांति माना जाता है। इसके बाद हुए चुनाव में पारंपरिक दलों के खिलाफ नेपाली मतदाताओं का गुस्सा साफ दिखाई दिया है। इस बार चुनाव में रैपर से राजनेता बने बालेंद्र शाह (बालेन) की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को बढ़त हासिल होना एक तरह से नेपाली युवाओं की जीत है।युवाओं में काफी लोकप्रिय बालेन ने न सिर्फ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई बल्कि उनके व्यवस्था बदलने के भरोसे ने उन्हें जेन-जेड का साथ दिलाया। इससे पूर्व 2006 की पहली जनक्रांति के बाद हुए व्यापक शांति समझौते के आधार पर 2008 में संविधान सभा के चुनाव में पुष्प कमल दाहल 'प्रचंड' की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) को जनता का अटूट समर्थन मिला था। लेकिन वह लोगों की अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सके। 2015 तक नेपाल एक समावेशी संविधान भी नहीं बना पाया। संविधान लागू होने के बाद भी राजनीतिक नेतृत्व में स्थायित्व नहीं आया और कई प्रधानमंत्री बदलते रहे। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और चीन के साथ ओली की बढ़ती नजदीकी से एक वक्त अमेरिका भी नाराज हो गया था। दूसरी ओर, प्रचंड और ओली जैसे पुराने नेताओं की धाक कम होने लगी थी। दोनों दलों की आपसी साझेदारी से जनता भी ऊब गई थी। काठमांडू के मेयर रहे प्रधानमंत्री पद के दावेदार बालेन के सामने निसंदेह कई चुनौतियां होंगी। युवा पीढ़ी ने भ्रष्ट नेताओं के विकल्प के रूप में उन्हें चुना है। बालेन सहित अधिकांश चुने गए सांसदों के पास राजनीति और सरकार चलाने का पर्याप्त अनुभव नहीं है। उन्हें नौकरशाही के साथ तालमेल बैठाते हुए जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। चुनावी वादे, खासकर रोजगार देना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। विदेश में बढ़ते माइग्रेशन विरोध और खाड़ी देशों की अनिश्चित स्थिति के कारण कई नेपाली अपने देश लौट सकते हैं। नई सरकार को भारत और चीन के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने होंगे। क्योंकि नेपाल के भारत के साथ विशेष रिश्ते, सीमा और जल विवाद जैसे मुद्दे भी जुड़े हैं। सरकार संतुलित नीति अपनाए और विकास व ऊर्जा क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग बढ़ाए, तो नेपाल की स्थिरता और क्षेत्रीय संतुलन बेहतर होगा।

हिमाचल प्रदेश में भुला दिया गया खरपतवार उन्मूलन

खरपतवारों ने केवल स्थानीय घासों को ही नष्ट नहीं किया बल्कि प्रदेश की बहुमूल्य जैव-विविधता को भी खतरे में डाल दिया है। इसका स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर हुआ है। पशुपालन के लिए प्रदेश के किसानों को पंजाब से महंगी तूड़ी या पराली लाकर गुजारा करना पड़ रहा है, जबकि प्रदेश के पास 67% वन भूमि है, जिसके अधिकांश भाग में चारा उपलब्ध होता रहा है। किन्तु व्यापारिक वानिकी के चलते और खरपतवार के फैलने से प्रदेश चारे के अकाल जैसी स्थिति से जूझ रहा है। हमें यह याद रखना चाहिए कि पहाड़ों में पशुपालन खुले चरागाहों में चुगान करने पर निर्भर रहा है। इससे पशुपालन की लागत कम आती थी। पशु को धन की संज्ञा दी गई थी. किन्तु अब महंगे चारे ने पशुपालन व्यवसाय को खतरे में डाल दिया है। अन्य सुविधाएं चाहे कितनी भी दी जाएं, जब तक भरपेट सस्ता चारा उपलब्ध नहीं होगा तबतक पशुपालन की हालत दयनीय ही रहेगी। इसका परिणाम बेसहारा छोड़े जा रहे पशुओं के झुंडों के रूप में सामने आ रहा है। हमारी योजनाएं टुकड़ों-टुकड़ों की समझ के आधार पर बनती हैं, जिससे एक काम बनता है तो दूसरा बिगड़ जाता है।

कुलभूषण उपमन्यु

हिमाचल प्रदेश की 80-85% आबादी कृषि से जुड़ी है। खेती की जोत बहुत छोटी होने के कारण पशुपालन और दस्तकारी प्राचीनकाल से लोगों की जीविका का आधार रहा है। पिछले कुछ दशकों से पशुपालन सरकार और वन विभाग की गलत नीतियों के चलते लगातार यह क्षेत्र अनदेखी का शिकार हो रहा है। परिणाम स्वरूप बहुत से लोग पशुपालन से तौबा कर चुके हैं। अत्यधिक चीड़ रोपण और लेंटाना आदि खरपतवारों के फैलने से प्रदेश की 2 लाख 35 हजार हेक्टेयर चरागाह और वन भूमि खरपतवारों की चपेट में आकर अनुत्पादक हो चुकी है।

खरपतवारों ने केवल स्थानीय घासों को ही नष्ट नहीं किया बल्कि प्रदेश की बहुमूल्य जैव-विविधता को भी खतरे में डाल दिया है। इसका स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर हुआ है। पशुपालन के लिए प्रदेश के किसानों को पंजाब से महंगी तूड़ी या पराली लाकर गुजारा करना पड़ रहा है, जबकि प्रदेश के पास 67% वन भूमि है, जिसके अधिकांश भाग में चारा उपलब्ध होता रहा है। किन्तु व्यापारिक वानिकी के चलते और खरपतवार के फैलने से प्रदेश चारे के अकाल जैसी स्थिति से जूझ रहा है। हमें यह याद रखना चाहिए कि पहाड़ों में पशुपालन खुले चरागाहों में चुगान करने पर निर्भर रहा है। इससे पशुपालन की लागत कम आती थी। पशु को धन की संज्ञा दी गई थी. किन्तु अब महंगे चारे ने पशुपालन व्यवसाय को खतरे में डाल दिया है। अन्य सुविधाएं चाहे कितनी भी दी जाएं, जब तक भरपेट सस्ता चारा उपलब्ध नहीं होगा तबतक पशुपालन की हालत दयनीय ही रहेगी।

इसका परिणाम बेसहारा छोड़े जा रहे पशुओं के झुंडों के रूप में सामने आ रहा है। हमारी योजनाएं टुकड़ों-टुकड़ों की समझ के आधार पर बनती हैं, जिससे एक काम बनता है

तो दूसरा बिगड़ जाता है। भूमि उपयोग से जुडी योजनाएं भूमि पर आधारित सभी आर्थिक और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं की समझ पर समग्र दृष्टि से बनाई जानी चाहिए। प्रदेश की अधिकांश भूमि तो वन विभाग के प्रबन्धन में है। इसलिए उनकी जिम्मेदारी सबसे ज्यादा बनती है की वन, कृषि, पशुपालन, बागवानी और जलवायु प्रबन्धन की जरूरतों को देखते हुए सर्व समावेशी योजना बनाने की वकालत करें।

पिछले दिनों तमिलनाडु सरकार ने खरपतवार उन्मूलन के प्रति दृढ़ता का परिचय देते हुए व्यापक कार्यक्रम शुरू करने का साहस दिखलाया है, जिससे पशुओं और वन्य प्राणियों को भी पर्याप्त घास मिल सके। तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने भी इस मुद्दे का संज्ञान लिया है और आदेश दिया है कि यह कार्य खरपतवार काटने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उखाड़ कर वहां स्थानीय घास लगाकर चरागाह विकसित करके स्थानीय पारिस्थितिकीय संतुलन को स्थापित किया जाना चाहिए। इस प्रक्रिया को टिकाऊ बनाने के लिए स्थानीय समुदायों को भी जोड़ने का काम किया गया है।

वह मॉडल हिमाचल प्रदेश के लिए भी उपयुक्त हो सकता है। उन्होंने पर्याप्त मात्रा में इस कार्य के लिए बजट उपलब्ध करवा कर गतिविधि को सहज बनाने के लिए निजी उद्योगों को भी जोड़ा है। लेंटाना से बायोचार (एक तरह का कोयला) बना कर बेकार खरपतवार का उपयोग किया जा रहा है। हिमाचल में भी चीड़ की पत्तियों और लेंटाना जैसी खरपतवारों के पेलेट्स बनाकर उपयोग किये जा सकते हैं। हालांकि हिमाचल में इस तरह के कुछ प्रयास हुए भी हैं किन्तु वे सफल नहीं हो सके, क्योंकि उनको सरकार का पूर्ण सहयोग नहीं मिल सका। सरकार ने यह सोचा था कि यह अपने स्तर पर ही एक सफल उद्योग के रूप में स्थापित हो सकेगा, किन्तु बायोचार या ब्रिकेट्स बनाने के बाद जिस बाजार में वह उत्पाद बेचना पड़ता है उसका भाव लाभदायक नहीं मिलने के कारण वे उद्योग बंद पड़ गए हैं। यदि चरागाह विकास और वनों में आग नियंत्रण के कार्य को इससे जोड़ कर देखा जाए तो इन उद्योगों को सरकार द्वारा कच्चा माल उपलब्ध करवा कर उद्योग को भी सफल बनाया जा सकता है और कुछ बोझ निजी कंपनियां भी उठा सकती हैं।

मनरेगा (वीबी जी राम जी) कार्यक्रम को भी इस गतिविधि से जोड़ा जा सकता है। इससे विभिन्न गतिविधियों को एक-दूसरे का सहारा मिल सकता है। सस्ता घास चारागाह से उपलब्ध होगा तो पशुपालन आसन होगा, गोबर से खेत को खाद मिलेगी, खरपतवार से ब्रिकेट या बयोचार बना कर कुछ रोजगार खड़ा होगा। खेती में बेसहारा पशुओं द्वारा नुकसान कम होगा। वनों में लगने वाली आग पर कुछ नियन्त्रण हो सकेगा। हालांकि हिमाचल प्रदेश में भी समय-समय पर खरपतवार उन्मूलन के प्रयास हुए हैं किन्तु उनको लगातार बढ़ावा देकर सफलता तक पहुंचाने के प्रयास नहीं हो पाए। न ही पर्याप्त बजट का प्रावधान हो सका। 2023 में ''हटेगा फुलनू, लौटेगी चारागाह'' के नाम से एक जागरुकता अभियान चलाया गया था। कुछ जगह मनरेगा में भी खरपतवार उखाड़ने का काम हुआ था। किन्तु चरागाह स्थापित होने तक लगातार निगरानी और घासरोपण नहीं होने के कारण दोबारा वहां खरपतवार आ गया। क्योंकि लेंटाना आदि खरपतवार उन्मूलन का काम सघन श्रम का कार्य है। इसे स्वैच्छिक रूप से नहीं किया जा सकता। इसलिए प्रदेश को चरागाह पुनर्स्थापन के कार्य को बजट का जरूरी हिस्सा बनाना होगा जो प्रदेश की विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को संबल प्रदान करेगा और वनों की पर्वतीय क्षेत्रों की मांग के अनुरूप भूमिका को भी परिभाषित करेगा।

आतंकियों के अहंकार से जीवन पर संकट

डा. रवीन्द्र अरजरिया

अहंकार, तृष्णा और लालच का कोई अन्त नहीं होता। यह वे शत्रु हैं जो समूल का नाश कर देते हैं। गीता का यह वाक्य वर्तमान में संसार की गतिविधियों की व्याख्या के लिए सर्वोचित है। संसार का सम्राट बनने की लालसा ने ट्रंप को मोहम्मद तुगलक की तरह पागल बादशाह बना दिया है। दूरगामी परिणामों की समीक्षा किये बिना ईरान पर थोपे गये युद्ध ने तीसरे विश्वयुद्ध की शंखनाद कर दिया है। कट्टरता पर आधारित आतंक से गजवा-ए-दुनिया का लक्ष्यभेदन करने के मंसूबे पालने वालों में ईरान भी एक प्रमुख देश है।

ऐसे देशों की एक लम्बी फेहरिश्त है जो मजहब के नाम पर अंधविश्वास परोस रहे हैं। बहत्तर हूरों से लेकर सजील जवानों की भीड के ख्वाब दिखाने वाले खुद के कुनबे को सुरक्षित स्थानों पर रखकर पूरे सम्प्रदाय को आग में झौंकने में लगे हैं। वहीं अमेरिका भी अपनी बादशाहत तले संसार को लाना चाहता है। एक ओर तो कट्टरता का आतंक है तो दूसरी ओर चौधराहट से भय पैदा करने वाला। दौनों ही अपनी अमानवीय प्रकृति से सृष्टि का नाश करने पर तुले हैं। युद्ध में सिद्धान्तों, मर्यादाओं और आदर्शों की खुलकर होली जलाई जा रही है। जहां अमेरिका की मनमानियां दूसरे देश के मेहमान बनकर आये काफिले को नष्ट करने में लगीं हैं वहीं

सजातीय लोगों की आबादी पर दुश्मन का दोस्त होने का गुस्सा फूट रहा है। ईमानदाराना बात तो यह है कि आतंकियों के अहंकार से जीवन पर संकट के बादल मडरा रहे हैं। एक ओर मजहबी फतवों का आतंक हैं तो दूसरी ओर गुण्डागिरी की इबारत का खौफ। चारों ओर असुरक्षा का वातावरण निर्मित हो चुका है। अमेरिका ने भारत के युद्धाभ्यास में शामिल होने आये ईरानी युद्धपोत को हिन्द महासागर में डुबोकर भारत को भी अप्रत्यक्ष में संग्राम में आमंत्रण दे डाला है वहीं ईरान भी खाडी देशों में विस्फोट करके उन्हें जवाबी कार्यवाही के लिए उकसा रहा है। हथियार, भितरघातियों और आतंक की दम पर अमेरिका ने अपनी पहुंच दुनिया के लगभग सभी देशों में बना रखी है वहीं ईरान का कट्टरता भरा पैगाम सजातीय लोगों को फिदायनी बनाने में लगा है।

उसने अनेक आतंकी संगठनों को पैदा किया है, उन्हें पाला है और अब खुला संरक्षण भी दे रहा है। मीरजाफरों की फौजों का दोगलापन राष्ट्रभक्तों की हत्यों का कारण बनता जा रहा है। खद्दरधारियों के गिरोहों से लेकर स्वयं भू बुद्धिजीवियों की जमातों तक के क्रिया-कलाप से उनके विदेशी आकाओं की हुक्मपरस्ती का संदेश मिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ का औचित्यविहीन होता स्वरूप, रूस-चीन जैसे देशों की खामोशी और षडयंत्रकारियों का युद्ध विस्तार हेतु प्रयास अब किसी भी रूप में सुखद नहीं कहा जा सकता। सन् 2026 से 2027 तक के कालखण्ड को अनेक भविष्य वक्ताओं ने समूचे संसार के लिए बेहद खतरनाक बताया था। मनमानी जनसंख्या वृद्धि, कट्टरता पर बढता अंधविश्वास और पुरातन सामाजिक व्यवस्था को रूढियों की तरह स्वीकारने के कारण दुनिया भर में अशान्ति का वातावरण पहले से ही निर्मित हो चुका है।

भूमि के अनुपात में जनसंख्या का संतुलन पूरी तरह बिगड चुका है। आने वाले समय में खाद्यान्न से लेकर पेयजल तक की विकराल समस्या पैदा होने वाली है। वर्चस्व के अहंकार ने हथियारों के जखीरों की भारी खेपें तैयार कर लीं हैं। बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया आज भी ख्वाबों में जी रही है। मजहबी तालीम देने वाले लोग अब कट्टरता का पाठ पढाकर विलासता भरा जीवन जी रहे हैं। उन्हें आसमान से उतरी किताबों के वास्तविक संदेशों तक पहुंचने के लिए खुद को इबादत के रूहानी रास्ते पर चलना पडेगा जहां केवल और केवल एक महाशक्ति के लिए ही उत्तरदायी माना जायेगा, सभी को एक नजर से देखना पडेगा, सभी को उसी एक महाशक्ति की औलाद मानना पडेगा। जब तक यह नहीं होगा तब तक आरोपों पर प्रत्यारोपों की बौछारें होती रहेंगीं, बेगुनाहों का खून बहता रहेगा और होती रहेंगी सियासी जंग। इतिहास गवाह है कि जंग के माहौल में भी भारत ने अपने नागरिकों की हमेशा ही सुरक्षित वापिसी कराई है। तलवारें खींचने वाले सभी देशों ने भारतीय लोगों के लिए गलियारा दिया। पडोसी दुश्मन देशों के नागरिकों ने भी भारतीयता का छद्मभेष धारण करके अपने को बचाया। सत्ता के विरोध में बैठने का अर्थ यह कदापि नहीं होता कि राष्ट्र के सभी हितकारी कार्यों, परियोजनाओं और महात्वाकाक्षांओं का अशोभनीय, अमर्यादित और असंवैधानिक विरोध किया जाये। ऐसी हरकतों ने हमेशा ही संविधान, सदन और सम्मान को पतन के गर्त में पहुंचाया है।

राजनैतिक दलों ने अब जिस तेजी से आरोपियों, अपराधियों और आतंकियों को चुनावी जंग में जीतने हेतु प्रत्याशी बनाना शुरू कर दिया है, उससे सदन में पहुंचकर वहां भी गैंगवार जैसी स्थिति ही निर्मित हो रही है। उनके नेता अपने गिरोह के सदस्य को खुला संरक्षण दे रहे हैं। यह रोग केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि कोरोना की तरह समूचे संसार में फैल चुका है। उसी का परिणाम है कि चारों ओर आतंक, भय और असुरक्षा का माहौल निरंतर विस्तार पा रहा है। ऐसे में केवल और केवल आसमान से उतरी किताबों और पैगम्बरों के शब्दों का वास्तविक अर्थ समझने-समझाने की आवश्यकता है। सबका मालिक एक, परमात्मा एक है, शरीर नश्वर है, संसार एक मेहमानखाना है, साथ में कुछ नहीं जायेगा, भाग्य से ज्यादा और वक्त से पहले कुछ नहीं मिलता जैसे आदर्श वाक्यों को दिल में बैठाने के बाद कोई भी व्यक्ति किसी को भी शत्रुता भरी नजरों से नहीं देख सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

पीपल की पूजा से दूर होती है शनि पीड़ा, पुराणों में बताया गया विशेष महत्व

हिंदू धर्म में पीपल के वृक्ष को अत्यंत पवित्र और पूजनीय माना गया है। विशेष रूप से शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष की पूजा करने का बहुत महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन पीपल के पेड़ की जड़ में जल अर्पित कर दीपक जलाने और उसकी परिक्रमा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। शनिदेव की कृपा से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। यही कारण है कि ज्योतिष और धर्मग्रंथों में पीपल की पूजा को शनि दोष और जीवन की बाधाओं को दूर करने का सरल और प्रभावी उपाय माना गया है। पद्मपुराण के अनुसार पीपल का वृक्ष भगवान विष्णु का स्वरूप माना गया है। इसी कारण इसे धार्मिक क्षेत्र में "देव वृक्ष" की पदवी प्राप्त हुई है। मान्यता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा से पीपल के वृक्ष को प्रणाम करता है और उसकी परिक्रमा करता है, उसकी आयु में वृद्धि होती है। साथ ही जो भक्त पीपल के वृक्ष की जड़ में जल अर्पित करता है, उसके पापों का नाश होता है और उसे स्वर्ग की प्राप्ति का फल मिलता है। पीपल धार्मिक ग्रंथों में पीपल को ऐसा पवित्र वृक्ष बताया गया है जिसमें त्रिदेव का वास होता है। मान्यता है कि इसकी जड़ में भगवान विष्णु, तने में भगवान शिव और अग्रभाग में ब्रह्मा जी का निवास होता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है "अश्वत्थः सर्ववृक्षाणाम",अर्थात सभी वृक्षों में मैं पीपल हूं। इस कथन से पीपल के वृक्ष की दिव्यता और महत्व स्पष्ट हो जाता है। इसी कारण इसे ब्राह्मण, गौ और देवताओं की तरह पूजनीय माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पीपल के वृक्ष में पितरों का निवास भी माना गया है। इसलिए कई धार्मिक संस्कार, जैसे मुंडन आदि, पीपल के नीचे करवाने की परंपरा रही है। मान्यता है कि इस वृक्ष में अनेक तीर्थों का भी वास होता है। इसके नीचे यज्ञ, हवन, पूजा-पाठ और पुराण कथा करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके पत्तों से बनी वंदनवार को भी शुभ अवसरों पर घर के द्वार पर लगाया जाता है, जो मंगल का प्रतीक मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पीपल का संबंध शनिदेव से माना गया है। शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष की जड़ में जल चढ़ाने, सरसों के तेल का दीपक जलाने और उसकी परिक्रमा करने से शनि से जुड़े कष्ट कम होते हैं।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1876 - ग्राहम वेल ने पहली बार टेलिफोन पर अपने मित्र से बात की। उन्होंने अपने मित्र से कहा कि ₹मेरी आवाज़ सुनो, मैं एलेक्ज़ेंडर ग्राहम बेल।
1922 - महात्मा गांधी गिरफ्तार किए गए, राजद्रोह का आरोप, छह वर्षो की कैद, परन्तु दो वर्ष बाद रिहा किए गए।
1922 - चीन द्वारा परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर।
1945 - माधवराव सिंधिया, कांग्रेस के नेता
1969 - मार्टिन लूथर किंग के हत्यारे को उम्र कैद
1985 - पाकिस्तान को पीटकर क्रिकेट के खेल में बेंसन ऐंड हेजेज चैंपियन बना था भारत। रवि शास्त्री बने थे चैंपियन ऑफ चैंपियंस।
1998 - इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुहार्तो लगातार सातवीं बार राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित।
2002 - फिलिस्तीन के राष्ट्रपति यासर अराफात के आने-जाने पर लगा प्रतिबंध हटा।
2002 - पाकिस्तान ने दक्षेस गृह मंत्रियों के सम्मेलन का प्रस्ताव रखा।
2003 - उत्तर कोरिया ने क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया, संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान ने सुरक्षा परिषद के सदस्यों से आग्रह किया कि वे इराक के निरस्त्रीकरण के बारे में अपने मतभेदों को दूर करें और कोई आम राय क़ायम करें।
2006 - पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बारूदी सुरंग विस्फोट में 26 मारे गये।
2007 - यूक्रेन के वैसिलीइवानचुक को हराकर विश्वनाथन आनन्द शतरंज में प्रथम स्थान पर पहुँचे।
2008 - माणिक सरकार की अगुवाई में त्रिपुरा में पुनः लेफ्ट फ्रंट ने सत्ता संभाली।
2008 - वरिष्ठ कांग्रेस नेता डी.डी. लपांग ने मेघालय के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
2008 - मलेशिया के अब्दुल्ला बदावी देश के पुनः प्रधानमंत्री बनें।
2010 - भारतीय संसद की ऊपरी सदन राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित हो गया।
2017- दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति पार्क ग्यून-हाय को संवैधानिक कोर्ट ने पद से हटा दिया।

यूपीएससी सफलता और बनाई हुई कहानियां

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और उनमें से कुछ सौ लोग ही अंततः प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसलिए जो लोग इस कठिन परीक्षा में सफल होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से समाज में चर्चा और सम्मान का विषय बन जाते हैं। समाचार माध्यम, सामाजिक माध्यम और आम समाज उनके जीवन की कहानी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में एक दिलचस्प और कभी-कभी चिंताजनक प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि शहरों की समृद्ध पृष्ठभूमि में पले-बढ़े कुछ सफल अभ्यर्थी अचानक अपनी पहचान को "किसान पुत्र", "गाँव का बेटा" या "ग्रामीण पृष्ठभूमि" के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत पहचान का प्रश्न नहीं है; यह उस व्यापक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भी उजागर करती है, जिसमें लोकप्रियता और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी को विशेष तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या यह केवल प्रेरणा देने का प्रयास है या फिर लोकप्रियता हासिल करने की एक रणनीति? इस प्रश्न का उत्तर

सरल नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और माध्यम-संबंधी कारण छिपे हुए हैं। भारतीय समाज में संघर्ष की कहानियाँ हमेशा से अत्यधिक सम्मानित रही हैं। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करता है, तो वह कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यही कारण है कि समाचार माध्यम अक्सर ऐसे उदाहरणों को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कोई अभ्यर्थी सीमित संसाधनों, आर्थिक कठिनाइयों या ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद सफलता प्राप्त करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी कहानियाँ समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाती हैं। वे युवाओं को यह विश्वास दिलाती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी ग्रामीण और शहरी अवसरों के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, ऐसी कहानियाँ उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब वास्तविकता से अधिक आकर्षक या भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ जाता है। सामाजिक माध्यमों के इस दौर में हर व्यक्ति अपनी कहानी को इस तरह प्रस्तुत करना चाहता है कि वह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और उन्हें प्रभावित करे। इस प्रक्रिया में कभी-कभी वास्तविक पृष्ठभूमि की जटिलता को सरल और भावनात्मक कथा में बदल दिया जाता है। आज के समय में समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यम किसी भी व्यक्ति की छवि बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सफल अभ्यर्थी की कहानी कुछ ही घंटों में पूरे देश में फैल सकती है। विभिन्न साक्षात्कार, वीडियो मंच और समाचार लेख अक्सर उस कहानी के ऐसे पहलुओं को सामने लाते हैं जो भावनात्मक और प्रेरणादायक हों। माध्यमों की दृष्टि से यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दर्शक और पाठक ऐसी कहानियों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। "गाँव से निकलकर प्रशासनिक सेवा में पहुँचा युवक" या "किसान की बेटी जिसने प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया" जैसी सुर्खियाँ तुरंत ध्यान आकर्षित करती हैं। परिणामस्वरूप, कभी-कभी कहानी के कुछ हिस्सों को अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि अन्य पहलू पीछे छूट जाते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी का परिवार मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा रहा हो, लेकिन उसकी शिक्षा और परवरिश शहरों में हुई हो, तो माध्यम अक्सर उसी ग्रामीण संबंध को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं। इससे वास्तविकता का एक आंशिक चित्र सामने आता है।

भारत जैसे विशाल और विविध समाज में पहचान हमेशा सरल और एक-आयामी नहीं होती। किसी व्यक्ति का जन्म गाँव में हो सकता है, लेकिन शिक्षा शहर में हुई हो सकती है। किसी के माता-पिता खेती से जुड़े हो सकते हैं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है। वास्तव में दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं। लेकिन जब कहानी को सरल और प्रभावी बनाने की कोशिश की जाती है, तो अक्सर एक ही पहचान को प्रमुखता दी जाती है। यही कारण है कि कभी-कभी लोगों को यह लगता है कि वास्तविकता से अलग या बढ़ा-चढ़ाकर चित्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आज का समय छवि और कथानक का समय है। सामाजिक माध्यमों ने हर व्यक्ति को अपनी छवि गढ़ने का अवसर दिया है। लोग केवल यह नहीं बताते कि वे कौन हैं, बल्कि यह भी तय करते हैं कि वे समाज के सामने कैसे दिखाई देना चाहते हैं। लेकिन जब यह प्रक्रिया वास्तविकता से अधिक छवि-निर्माण पर आधारित होने लगती है, तो यह आलोचना का विषय बन जाती है। समाज को यह महसूस होने लगता है कि लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए पहचान का उपयोग किया जा रहा है।

यह भी याद रखना आवश्यक है कि हर सफल अभ्यर्थी ऐसा नहीं करता। देश में हजारों ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी पृष्ठभूमि के बारे में ईमानदारी से बात करते हैं और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। अंततः प्रशासनिक सेवा में सफलता का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि कोई अधिकारी अपने पद का उपयोग समाज के हित में किस प्रकार करता है। ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना ही किसी भी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान होती है। लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन सच्ची सेवा और ईमानदार कार्य ही वह आधार है जो किसी व्यक्ति को स्थायी सम्मान दिलाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

भारत का पश्चिम एशिया संकट पर पैनी नजर : विदेश मंत्री जयशंकर

देश के नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को संसद में कहा कि भारत सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

लोकसभा और राज्यसभा में 'पश्चिम एशिया की स्थिति' पर दिए गए अपने वक्तव्य में जयशंकर ने बताया कि 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष में इज़राइल और अमेरिका एक तरफ हैं और दूसरी तरफ ईरान है, जबकि कई खाड़ी देशों पर भी हमले हुए हैं। इस संघर्ष में भारी जनहानि और बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा संबंधी समिति की बैठक हुई, जिसमें क्षेत्र में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा तथा क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा की गई। समिति को इस इलाके में आने-जाने वाले भारतीय यात्रियों और इन देशों में तय परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को होने वाली मुश्किलों के बारे में बताया गया। इसने सभी संबंधित मंत्रालयों और विभागों को इन समस्याओं से निपटने के लिए सही कदम उठाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री नए डेवलपमेंट पर करीब से नजर रख रहे हैं। विदेश मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया भारत के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते और काम करते हैं, जबकि ईरान में भी हजारों भारतीय छात्र और पेशेवर मौजूद हैं। इसके अलावा यह क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। खाड़ी देश एक बड़ा ट्रेड पार्टनर भी हैं, जो हर साल लगभग 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कारोबार करते हैं। सदन को यह भी पता है कि पिछले दशक में इस इलाके से भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी निवेश हुआ है। इसलिए सप्लाई चेन में गंभीर रुकावटें और अस्थिरता के माहौल को हम गंभीर मुद्दे मानते हैं। इसके अलावा, इनमें मर्चेंट शिपिंग पर हमले भी शामिल हैं, जहां भारतीय नागरिक अक्सर क्रू का एक बड़ा हिस्सा होते हैं। दुख की बात है कि हमने ऐसी घटनाओं में पहले ही दो भारतीय नाविकों को खो दिया है और एक अभी भी लापता है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने स्थिति बिगड़ने के संकेत मिलने पर जनवरी से ही ईरान के लिए यात्रा संबंधी परामर्श जारी किए थे और भारतीय नागरिकों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी थी। 14 एवं 23 फरवरी को भी भारतीयों से सभी उपलब्ध साधनों से ईरान छोड़ने की अपील की गई थी। संघर्ष शुरू होने के बाद भारतीय दूतावास ने तेहरान में रह रहे भारतीय छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की है और कुछ व्यापारिक कारणों से वहां मौजूद भारतीयों को आर्मेनिया के रास्ते वापस भारत भेजने में सहायता दी है। उन्होंने बताया कि दुबई, दोहा और अबू धाबी जैसे ट्रांजिट केंद्रों में फंसे भारतीय यात्रियों की भी मदद की गई है तथा कई देशों की सीमाओं के जरिए सुरक्षित निकासी की व्यवस्था की गई है। अब तक लगभग 67 हजार भारतीय नागरिक विभिन्न उड़ानों से वापस लौट चुके हैं। जयशंकर ने बताया कि ईरान के अनुरोध पर उसके एक पोत आईरिस लावन को 4 मार्च को कोच्चि में डॉक करने की अनुमति दी गई। जहाज के चालक दल को भारतीय नौसैनिक सुविधाओं में रखा गया है और ईरान ने इस मानवीय सहायता के लिए भारत का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस टकराव का भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को देखते हुए सरकार इस मुद्दे पर विशेष ध्यान दे रही है।

सरकार ऊर्जा बाजार की जवाबदेही, लागत और जोखिमों को पूरी तरह ध्यान में रखते हुए आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय उपभोक्ताओं का हित हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रहा है और आगे भी रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर भारतीय कूटनीति ने इस अस्थिर स्थिति में देश की ऊर्जा कंपनियों के प्रयासों का भी समर्थन किया है। विदेश मंत्री ने कहा कि सरकार की नीति तीन प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित है– क्षेत्र में शांति और कूटनीतिक समाधान का समर्थन, पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना और भारत के राष्ट्रीय हितों, विशेषकर ऊर्जा सुरक्षा तथा व्यापारिक प्रवाह की रक्षा करना। उन्होंने कहा कि भारत सभी पक्षों से संयम बरतने और संवाद के जरिए तनाव कम करने की अपील करता है।

महाराष्ट्र में फिलहाल नए ऑटो रिक्शा परमिट पर लगी रोक

मुंबई। महाराष्ट्र में नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। प्रदेश के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को बताया कि सूबे में आज से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। सरनाईक ने कहा कि नए ऑटो रिक्शा परमिट के लिए नई पॉलिसी बनाई जाएगी। इसके बाद फिर से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने का निर्णय लिया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने मुंबई में मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य के बड़े शहरों में ऑटो रिक्शा की संख्या काफी बढ़ गई है, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। खासकर मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में रिक्शा की बढ़ती संख्या से ट्रैफिक पर काफी दबाव पड़ रहा है। इसे देखते हुए राज्य में ऑटो रिक्शा का परमिट जारी नहीं करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि ऑटो रिक्शा के परमिट का हस्तांतरण पूर्ववत किया जा सकता है। प्रताप सरनाईक ने कहा कि इस संबंध में महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार से बातचीत की थी।

उन्होंने कहा कि राज्य में करीब 14 लाख ऑटो रिक्शा परमिट बांटे गए हैं। कुछ जगहों पर ऐसी शिकायतें हैं कि एक ही परिवार के कई सदस्यों को परमिट दिए गए हैं। साथ ही, कुछ मामलों में सरकार को ऐसी शिकायतें मिली हैं कि बांग्लादेशी नागरिकों ने भी गैर-कानूनी तरीके से परमिट हासिल किए हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए परमिट सिस्टम को ज्यादा पारदर्शी और नियंत्रणीय बनाने के लिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने यह भी साफ किया कि राज्य में 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में ऑटो रिक्शा परमिट के बारे में फैसला लेने का अधिकार राज्य सरकार के पास है इसलिए, लोकल हालात, ट्रांसपोर्ट की जरूरतों और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नई पॉलिसी तैयार की जाएगी।

बच्चों ने मनाई राष्ट्रीय आरी श्रमिक दिवस

अररिया। फारबिसगंज के तिरसकुंड पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में सोमवार को धूमधाम से राष्ट्रीय आरी श्रमिक दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक कुमार राजीव रंजन ने कहा कि हर वर्ष 9 मार्च को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय आरी श्रमिक दिवस मनाया जाता है, जो भारतीय आरी कढ़ाई कारीगरों विशेषकर महिलाओं की कला, संस्कृति और आर्थिक योगदान को सम्मानित और सशक्त बनाता है। भारतीय आरी श्रमिक महासंघ द्वारा घोषित यह दिवस पिछले वर्ष बेंगलुरु में पहले अंतर्राष्ट्रीय आरी श्रमिक सम्मेलन के सम्मान में मनाया गया।

इसका उद्देश्य आरी कारीगरों को पहचान देना, कौशल विकास को बढ़ावा देना और उनके पारंपरिक शिल्प को संरक्षित करना है। इस दिन की विशेषता यह दिन शिल्पकारों की गरिमा और उनके मेहनत का जश्न मनाता है।इसका महत्व आरी कढ़ाई एक पारंपरिक कला है जिसे आधुनिक अवसर के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। मौके पर स्कूल के प्रधान शिक्षक मिथिलेश कुमार, शिक्षक रंजीत कुमार मंडल, संजीत कुमार निगम ने भी बच्चों को दिवस की महत्ता के बारे में जानकारी दी।

टी 20 विश्वकप जीतने पर राज्यसभा में भारतीय टीम को दी गई बधाई

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में मिली खिताबी जीत पर सोमवार को राज्यसभा में भारतीय टीम को बधाई दी गयी।

सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा सदस्यों की तरफ से विजेता भारतीय टीम को बधाई देते हुए जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए गर्व की बात है कि भारतीय टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। यह तीसरी बार है जब भारत ने टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। दिलचस्प बात है कि लगातार दूसरी बार टीम ने ऐसा किया है क्योंकि भारत ने इससे पहले संस्करण में भी ट्रॉफी अपने नाम की थी। राधाकृष्णन ने कहा कि यह जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि भारत पहला देश है जो अपनी मेजबानी में टी20 विश्व कप का विजेता बना है।

पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम के शानदार प्रदर्शन ने देशभर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को अपार खुशी और गर्व का अनुभव कराया है। सदन की ओर से भारतीय टीम के खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और भारतीय क्रिकेट से जुड़े सभी लोगों को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई।

लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे विपक्ष को जगदंबिका पाल ने आड़े हाथों लिया

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के हंगामा के चलते कल (मंगलवार) तक के लिए स्थगित की गई है। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे विपक्षी दल के सदस्यों को समझाया और विपक्षी दलों के सांसदों को आड़े हाथों लिया।

विपक्ष दलों के सांसदों ने अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग पर आज जमकर हंगामा किया। विपक्ष ने जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। सरकार ने कहा कि विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं। लेकिन विपक्ष पश्चिम एशिया में बने हालातों पर चर्चा की मांग कर रहा था, जिस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सदन में विस्तार से जबाव दिया। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने विपक्ष के इस व्यवहार से नराजगी जताते हुए कहा कि सदन चलाने में डेढ़ करोड़ रुपये प्रति घंटा खर्च होता है। एक-एक मिनट का ढाई लाख रुपया खर्च होता है। एक दिन में 9 करोड़ रुपये खर्च होता है।

अपने गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के कारण विपक्ष एक दिन का 9 करोड़ रुपये बर्बाद कर रहा है, ये जनता का पैसा है। जगदंबिका पाल ने कहा कि देश देख रहा है कि सरकार सदन चलाना चाहती है, लेकिन आप नहीं चलाना चाहते। ये गैर-जिम्मेदाराना आचरण है, अपरिपक्व व्यवहार है। पीठासीन अध्यक्ष पाल ने इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे सदस्यों को समझाया, लेकिन व्यवधान जारी रहने के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।

नेशनल हेराल्ड मामला

सोनिया, राहुल की याचिका पर 20 अप्रैल को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नेशनल हेराल्ड धनशोधन मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान न लेने के निचली अदालत के फैसले के खिलाफ ईडी की याचिका को 20 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि अदालत आज (सोमवार) सुनवाई नहीं कर सकती। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने मामले की सुनवाई के लिए कम समयावधि की कोई तारीख तय करने का अनुरोध किया। इसके बाद अदालत ने याचिका 20 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दी।

उच्च न्यायालय ने 22 दिसंबर को गांधी परिवार और अन्य लोगों को मुख्य याचिका और ईडी के आवेदन पर नोटिस जारी किया था, जिसमें 16 दिसंबर, 2025 के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। निचली ने कहा था कि मामले में एजेंसी की शिकायत का संज्ञान 'कानूनी रूप से अस्वीकृत' है, क्योंकि यह प्राथमिकी पर आधारित नहीं है।

विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन, पश्चिम एशिया तनाव, ऊर्जा सुरक्षा पर सरकार को घेरा

नई दिल्ल। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हुआ। विपक्षी दलों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर संसद भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया। विपक्ष ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर सरकार पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, सांसद प्रियंका गांधी, किशोरी लाल शर्मा समेत तमाम विपक्षी सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने हाथों में बड़े पोस्टर और बैनर पकड़ रखे थे। इन पोस्टरों पर सरकार के विरोध में नारे लिखे थे। विपक्षी सांसदों ने इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने बिहार के लिए नियुक्त किए दो पर्यवेक्षक, 16 मार्च को होगा मतदान

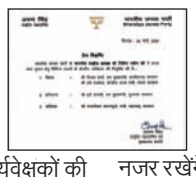

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां पार्टी ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।

बिहार की पांच सीटों समेत ओडिशा, हरियाणा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में होने वाले चुनाव के लिए भाजपा ने अपने पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी है। भाजपा ने बिहार के लिए दो पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। पार्टी ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को बिहार का पर्यवेक्षक बनाया है। पार्टी नेताओं के अनुसार, दोनों नेता राज्यसभा चुनाव की पूरी प्रक्रिया के दौरान बिहार में पार्टी की रणनीति और समन्वय पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही वे पार्टी विधायकों के साथ संवाद स्थापित कर चुनावी तैयारियों को मजबूत करने का काम करेंगे। चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, राज्यसभा चुनाव के लिए 16 मार्च 2026 को मतदान होगा और उसी दिन मतगणना के बाद परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे। वहीं नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि आज निर्धारित की गई है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर किसान ट्रस्ट ने 'अपराजिता सम्मान' से महिलाओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में किसान ट्रस्ट ने 'अपराजिता सम्मान समारोह' में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

अन्नपूर्णा देवी ने सम्मानित महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह द्वारा स्थापित किसान ट्रस्ट का महिलाओं, विशेष रूप से एसिड हमले के पीड़ितों को आर्थिक सहयोग और हौसला देना प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने इस अवसर पर केंद्र सरकार की महिला सशक्तीकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम की आयोजक और किसान ट्रस्ट की ट्रस्टी चारू चौधरी ने कहा कि यह आयोजन उन महिलाओं को सम्मान देने का प्रयास है, जो चुनौतियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने और समाज के लिए नई राह बनाने में जुटी हैं। महिलाओं को सम्मान, अवसर और संसाधन मिलने से समाज और देश का भविष्य मजबूत होता है। समारोह के दौरान 'रोजगार के माध्यम से सशक्तीकरण' विषय पर पैनल चर्चा भी आयोजित की गई।

इसमें नीति आयोग की प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर एना रॉय, यूएन विमेन इंडिया की कांता सिंह, बैंकिंग और फिनटेक विशेषज्ञ शिंजिनी कुमार तथा पूर्व दूरदर्शन समाचार एंकर सलमा सुल्तान ने भाग लिया। चर्चा का संचालन यूपी राज्य महिला आयोग की सदस्य मनीषा अहलावत ने किया। वक्ताओं ने महिला शिक्षा, रोजगार के अवसर और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन जैसे विषयों पर विचार रखे। कार्यक्रम में 'मिलेट मॉम' के नाम से प्रसिद्ध उद्यमी पूजा शर्मा ने महिला उद्यमिता और पोषण के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए।

इस अवसर पर शास्त्रीय गायिका और हाल ही में पद्मश्री से सम्मानित प्रो. मंगला कपूर को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने तेजाब हमले के बाद संघर्ष करते हुए संगीत के क्षेत्र में सफलता हासिल करने की अपनी प्रेरक कहानी सुनाई। उल्लेखनीय है कि किसान ट्रस्ट की स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने की थी। यह संगठन लंबे समय से किसानों और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कार्य कर रहा है तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एसिड अटैक सर्वाइवर्स के पुनर्वास में भी सहयोग देता रहा है।

पश्चिम बंगाल: चुनाव आयोग की बैठक में राजनीतिक दलों ने रखी अपनी मांगें, एक चरण में मतदान की मांग

कोलकाता। भारत निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में विभिन्न राजनीतिक दलों और राज्य प्रशासन के साथ बैठक की। बैठक में आगामी चुनाव की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने की।

उनके साथ निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी मौजूद रहे। बैठक के बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने एक चरण में चुनाव कराने की मांग की। पार्टी के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि यदि एक चरण में चुनाव संभव नहीं हो तो अधिकतम दो चरणों में मतदान कराया जाए। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी आयोग के सामने नाराजगी जताई। सलीम ने कहा कि आयोग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में आम लोगों को परेशान क्यों किया जा रहा है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रतिनिधियों ने कहा कि बैठक में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। पार्टी नेता जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने बताया कि इस विषय पर मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए बैठक में मुख्य रूप से चुनावी माहौल और व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। भाजपा नेता तापस राय ने कहा कि राज्य में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव सुनिश्चित करना आयोग की जिम्मेदारी है और पार्टी ने हिंसामुक्त तथा निष्पक्ष चुनाव की मांग रखी है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने फर्जी आईएफएस अधिकारी को किया गिरफ्तार

कुशीनगर। जिले के रविन्द्र नगर क्षेत्र में पुलिस ने खुद को भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) का अधिकारी बताकर नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि पवन चौहान नामक व्यक्ति खुद को आईएफएस अधिकारी बताकर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देते हुए उनसे ठगी कर रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस पर कार्रवाई करते हुए रविवार को कुशीनगर के हाटा कोतवाली क्षेत्र के अवरवा गांव के रहने वाले आरोपी पवन चौहान को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने उसके कब्जे से एक जाली पहचान पत्र, दो जाली आधार कार्ड, एक मतदाता पहचान पत्र, पांच एटीएम कार्ड, तीन मुहरें, एक डायरी और दो प्रोटोकॉल पेपर समेत कई दस्तावेज बरामद किये हैं। अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा के अनुसार, आरोपी पवन चौहान ने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि वह खुद को भारतीय विदेश सेवा का अधिकारी बताते हुए विभिन्न विभागों में धौंस जमा कर अपना काम करवाता था। वर्मा के मुताबिक चौहान ने बताया है कि वह खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को नौकरी दिलाने के लिए उनसे धन लेने के साथ-साथ सरकारी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों को पदोन्नति और अन्य सरकारी लाभ दिलाने का झांसा देकर भी ठगी करता था।

स्कूल में छात्राओं से मालिश कराने के आरोप में प्रधानाध्यापिका निलंबित

बांदा। चित्रकूट नगर क्षेत्र में स्कूल में छात्राओं से कथित रूप से मालिश कराने के आरोप में एक प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। चित्रकूट के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) बी.के. शर्मा ने सोमवार को बताया कि नगर शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार दीक्षित की जांच रिपोर्ट के अध्ययन के बाद नया बाजार स्थित प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मधु राय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व सोशल मीडिया में वायरल एक वीडियो में प्रधानाध्यापिका मधु राय जमीन पर लेटी हुई हैं और विद्यालय की कुछ छात्राएं उनके हाथ-पैर दबाती और मालिश करती देखी जा रही हैं। बीएसए ने बताया कि वीडियो का संज्ञान लेकर नगर शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार दीक्षित को जांच सौंपी गई, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सत्य पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि निलंबन के दौरान प्रधानाध्यापिका को जिला मुख्यालय से संबद्ध किया गया है।

सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौत

कौशांबी। जिले के कोखराज क्षेत्र में प्रयागराज-कानपुर मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार सैनी थाना क्षेत्र के गणपा गांव निवासी लक्ष्मण (28) रविवार देर रात अपने चचेरे भाई अंकित (15) के साथ संदीपन घाट थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में आयोजित भंडारे के कार्यक्रम से लौट रहे थे तभी कोखराज थाना क्षेत्र के ककोड़ा गांव के पास अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। उसने बताया कि इस घटना में अंकित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लक्ष्मण ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं और हादसे में शामिल अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।

सब्जी की दुकान लगाने को लेकर हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत

बलिया। जिले के रेवती कस्बे में सब्जी की दुकान लगाने को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बलिया क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बताया कि रविवार रात रेवती कस्बे के बीज गोदाम के पास धनजी तुरहा और सुनील तुरहा के बीच सब्जी की दुकान लगाने को लेकर विवाद हो गया, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। उन्होंने बताया कि इस दौरान लाठी, डंडे और सरिया से प्रहार किया गया, जिसमें धनजी तुरहा (40) और उनका भाई भुलन तुरहा गंभीर रूप से घायल हो गए। कुरैशी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल स्थानीय सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने धनजी तुरहा को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस उपाधीक्षक के अनुसार इस मामले में भुलन तुरहा की तहरीर पर सुनील तुरहा और उनकी मां मीना देवी के साथ ही अमन साहनी और कुदरनी देवी तथा कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास कर रही है।

बड़े भाई ने शराब पीने से मना किया तो छोटे भाई ने कर ली खुदकुशी

कानपुर। सचेण्डी थाना क्षेत्र में शराब पीकर घर आने पर बड़े भाई की डांट से आहत होकर एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। बीती रात उसका शव घर के पास अमरूद के पेड़ से चादर के सहारे लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फील्ड यूनिट ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। चरगांव निवासी पीड़ित पिता कल्लू ने बताया कि परिवार में पत्नी शकुंतला के अलावा चार बेटे जगदीश, सुरेश, नरेश और राजेश (21) थे, जबकि दो बेटियां राखी और खुशी हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। मृतक राजेश एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था, लेकिन उसे शराब पीने की लत थी। उन्होंने बताया कि रविवार देर रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा, जिस पर बड़े भाई नरेश ने उसे डांटते हुए कहा कि अब शराब पीकर घर मत आया करो, क्योंकि रोज नशे में आने से घर में झगड़ा होता है। इसके बाद राजेश बिना बताए घर से निकल गया। कुछ देर बाद उसने घर के पास ही अमरूद के पेड़ से चादर के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजन उसकी तलाश में निकले। गांव के पास पहुंचने पर उन्होंने देखा कि राजेश का शव पेड़ से लटक रहा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।सचेण्डी थाना प्रभारी दीनानाथ मिश्र ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन और हिंदुजा ग्रुप की कंपनी वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड के बीच हुआ एमओयू

गांव में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचने से ऑनलाइन व्यवसाय शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के खुलेंगे नए अवसर: सुरेश खन्ना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार डिजिटल कनेक्टिविटी के साथ रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल कर रही है। इसी क्रम में 'प्रोजेक्ट गंगा' के तहत प्रदेश में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन और हिंदुजा ग्रुप की सहायक कंपनी वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड के बीच एमओयू साइन किया गया। इस परियोजना के तहत अगले 2-3 वर्षों में 20 लाख से अधिक घरों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि न्याय पंचायत स्तर पर 8,000 से 10,000 स्थानीय युवाओं को डिजिटल सेवा प्रदाता के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें महिलाओं की लगभग 50 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने की योजना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार होने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित होंगे। इसके साथ ही परियोजना के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि आज का यह एमओयू उत्तर प्रदेश में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कभी तकनीक के क्षेत्र में पीछे रहने के कारण भारत को विकासशील देश के रूप में देखा जाता था, लेकिन पिछले एक दशक में देश और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में हुए परिवर्तन ने दुनिया की धारणा बदल दी है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने की है और यदि रोजगार तकनीक के माध्यम से मिलता है तो वह और अधिक प्रभावी और स्थायी होता है। प्रोजेक्ट गंगा (गवर्नमेंट असिस्टेड नेटवर्क फॉर ग्रोथ एंड एडवांसमेंट) के तहत लगभग 20 लाख घरों तक हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड पहुंचाने का लक्ष्य है, जिससे करीब एक करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही 8 से 10 हजार युवाओं को डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर के रूप में प्रशिक्षित कर रोजगार से जोड़ा जाएगा, जबकि महिलाओं की भागीदारी को भी विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचने से डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन व्यवसाय, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के नए अवसर खुलेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि ब्रॉडबैंड सुविधा गांव-गांव तक पहुंचे और युवाओं को तकनीक आधारित रोजगार मिल सके। युवाओं को डिजिटल उद्यमिता से जोड़ने के लिए सरकार आर्थिक सहयोग भी दे रही है। जनवरी 2024 में शुरू की गई योजना के तहत युवाओं को 5 लाख तक का ऋण बिना ब्याज और बिना गारंटी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसका लाभ अब तक एक लाख से अधिक लोग ले चुके हैं। उन्होंने आग्रह किया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिंदी भाषा को भी प्रमुख स्थान दिया जाए, ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें। वित्त मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दो से तीन वर्षों में प्रोजेक्ट गंगा उत्तर प्रदेश में डिजिटल सशक्तिकरण और रोजगार सृजन का बड़ा आधार बनेगा। स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह ने कहा कि आज के दौर में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल हाईवे का महत्व कई मामलों में भौतिक एक्सप्रेसवे से भी अधिक हो गया है, क्योंकि यही विकास की नई दिशा तय कर रहा है।

यह एमओयू डिजिटल डिवाइड और संभावित एआई डिवाइड को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिसके माध्यम से गांवों तक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, ओटीटी सेवाएं और हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचेगा। इससे ग्रामीण युवाओं के लिए डिजिटल सेवाओं, यूट्यूब और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से आय अर्जित करने के नए अवसर बनेंगे, वहीं टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन शिक्षा, ई-कॉमर्स और डिजिटल स्किलिंग के क्षेत्र भी तेजी से विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पिछले कई वर्षों से इस दिशा में प्रयास कर रही थी और अब हिंदुजा ग्रुप के सहयोग से यह पहल साकार हो रही है। विशेष रूप से श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड इंटरनेट पहुंचने से लोगों के लिए नए आर्थिक अवसर खुलेंगे और ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशन लि. के डायरेक्टर विंसले फर्नांडीज ने कहा कि जिस तरह मां गंगा केवल आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि हिमालय से बंगाल की खाड़ी तक करोड़ों लोगों के जीवन और रोजगार का आधार भी हैं, जिससे कृषि, उद्योग और पेयजल जैसे कई आयाम जुड़े हैं। इसी सोच के साथ इस पहल को 'प्रोजेक्ट गंगा' नाम दिया गया है। परियोजना के दो प्रमुख स्तंभ युवा एवं महिला सशक्तीकरण हैं। इसके तहत प्रदेश में लगभग एक लाख रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। हिंदुजा ग्रुप की सहायक कंपनी वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर सत्य प्रकाश सिंह ने कहा कि 'प्रोजेक्ट गंगा' का उद्देश्य दूर-दराज के अंडर-सर्व्ड और अनसर्व्ड क्षेत्रों तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार हो और रोजगार के नए अवसर तैयार हो सकें।

हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध होने से टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्किलिंग, ई-कॉमर्स और डिजिटल कंटेंट जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। कार्यक्रम में स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन (एसटीसी) के सीईओ मनोज कुमार सिंह, श्रम विभाग के प्रमुख सचिव शन्मुगा सुंदरम, एसटीसी के एसीईओ अक्षत वर्मा, हिंदुजा ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. एस.के. चड्ढा, हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशन लि. के डायरेक्टर विंसले फर्नांडीज और ओआईएल के चीफ बिजनेस ऑफिसर सत्यप्रकाश सिंह तथा परियोजना से जुड़े अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में बहस के लिए 12 मार्च की तिथि निर्धारित

सुलतानपुर। राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि के मामले में सांसद-विधायक अदालत में बहस के लिए 12 मार्च की तिथि निर्धारित की गयी है। इस मामले में वादी विजय मिश्रा के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि सोमवार को विशेष न्यायाधीश शुभम वर्मा ने मानहानि मामले में आगे की कार्यवाही के तहत बहस के लिये 12 मार्च की तिथि निर्धारित की है। पांडेय ने बताया कि मामला दायर करने वाले भाजपा के नेता विजय मिश्रा और दो गवाहों की जिरह पूरी हो चुकी है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने भी बताया कि न्यायालय में आगे बहस के लिए 12 मार्च की तिथि निर्धारित की गयी है। उन्होंने बताया कि पिछले महीने 20 फरवरी को राहुल गांधी ने अपना बयान दर्ज कराया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके खिलाफ राजनीतिक विद्वेष से मानहानि का यह मुकदमा दर्ज कराया गया है।

कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का यह मुकदमा दायर किया था। मिश्रा का आरोप है कि 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष एवं मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

उप्र पुलिस परीक्षा से पहले भर्ती बोर्ड ने व्हाटसअप नंबर जारी किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। बोर्ड ने व्हाटसअप नंबर और ईमेल आईडी जारी की है।

यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा की सूचिता बनाए रखने के लिए। पेपर लीक, पेपर क्रय-विक्रय, परीक्षा में नकल, सॉल्वर गैंग अथवा अन्य किसी भी अवांछनीय गतिविधियों के संबंध में जानकारी पाने के लिए ईमेल आईडी व व्हाट्सएप नंबर जारी किया है । कोई भी व्यक्ति निर्भीक होकर सूचना दे सकता है, सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जायेगी। बोर्ड की ओर से जारी ईमेल, satarkta. policeboard @gmail. com और व्हाटसअप नंबर 9454457951 जारी किया है। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

बोर्ड की ओर से कहा गया कि अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की होने वाली परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों या उनकी कंटेट पर चर्चा, विश्लेषण या प्रसार करना उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम, 2024 के प्रावधानों के तहत ऐसी सभी गतिविधियाँ सख्त रूप से प्रतिबंधित हैं। कोई भी व्यक्ति जो परीक्षा सामग्री या उसकी किसी जानकारी को किसी भी रूप में (मौखिक या लिखित, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक माध्यम से) प्रकाशित, पुनरुत्पादित, प्रसारित, संग्रहीत या साझा करते हुए पाया जाता है।

या परीक्षा केंद्र प्राप्त करायी गयी मूल ओएमआर शीट को ले जाते हुए पाया जाता है। या सामग्री को अनाधिकृत रूप से कब्जे में रखे हुए पाया जाता है, तो सम्बन्धित व्यक्ति के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक और वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

अपहरण के आरोप में चार लोग हिरासत में, अपहृत युवक को मुक्त कराया गया

झांसी। झांसी के नवाबाद क्षेत्र में एक युवक को अपहृत कर फिरौती मांगने के आरोप में दो किशोरवय लड़कों समेत चार लोगों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद हिरासत में लेकर अगवा युवक को सकुशल मुक्त करा लिया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों ने दर्ज की गई रिपोर्ट के हवाले से सोमवार को बताया कि गत शनिवार की देर रात राज पाठक, अभय कुशवाहा तथा एक अन्य युवक बाइक पर सवार होकर एक समारोह से घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में बिना नंबर वाली एक लाल कार ने मोटरसाइकिल में टक्कर मारकर उसे गिरा दिया। उन्होंने बताया कि टक्कर मारने के बाद कार से अरुण यादव और उसके कुछ साथी निकले और हवा में गोलियां चलाते हुए राज पाठक को अपनी कार में बैठा कर वहां से चले गए। सूत्रों ने बताया कि बाद में अपहरणकर्ताओं ने पाठक के परिजन से उसे छोड़ने के बदले दो लाख रुपये की फिरौती मांगी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में अरुण यादव तथा कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अपहृत युवक की तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने अरुण पर 15 हजार रूपए का इनाम भी घोषित किया था। सूत्रों ने बताया कि आठ-नौ मार्च की दरमियानी रात करीब दो बजे पुलिस एक सूचना के आधार पर पैरामेडिकल रोड पर पहुंची, जहां हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने अगवा किये गये राज पाठक को सकुशल मुक्त करा लिया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने मौके से मुख्य आरोपी अरुण यादव, उसके साथी हर्ष यादव को गिरफ्तार कर लिया तथा दो किशोरवय लड़कों को भी हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि बदमाशों का एक साथी मौके से भाग गया जिसकी तलाश की जा रही है।

अपहृत नाबालिग बच्चा वाराणसी से बरामद

प्रयागराज। जिले के यमुना नगर के एक गांव से अपहृत पांच साल के बच्चे को पुलिस ने रविवार रात वाराणसी से सकुशल बरामद कर लिया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (यमुना नगर) विवेक चंद्र यादव ने बताया कि शनिवार को मांडा थाना क्षेत्र के सराय कलां गांव में प्रतीक (पांच) अपने स्कूल से लौटकर घर के सामने पहुंचा ही था तभी एक वैन में कुछ लोग वहां आए और उसे उठा ले गए। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने रविवार रात बच्चे को सकुशल वाराणसी से बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि बच्चे से पूछताछ में पता चला कि उसका अपहरण उसके सगे मामा और एक रिश्ते में दूर के मामा ने किया था। पुलिस आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है जिसके बाद ही अपहरण का मकसद पता चल सकेगा।

सूर्यकुमार के गांव में खुशी का माहौल चाचा ने की स्टेडियम बनाने की मांग

गाजीपुर। विश्व कप विजेता टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के चाचा विनोद यादव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रतिभा को निखारने के लिए गाजीपुर जिले में हर तरह की सुविधाओं से लैस एक खेल स्टेडियम तैयार करने की मांग की है।

विनोद यादव ने सोमवार को बताया कि वह अपनी मांगों को लेकर करीब एक महीने पहले उत्तर प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव से मिले थे, जिन्होंने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह गाजीपुर में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्टेडियम के निर्माण का प्रस्ताव कैबिनेट बैठक में रखेंगे । उन्होंने यह भी बताया कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान सूर्यकुमार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान इस बारे में बात की थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार

उनकी मांग पूरी करेगी । विनोद यादव ने कहा कि उनके भाई अशोक यादव और भाभी सपना यादव (सूर्यकुमार यादव के माता-पिता) फरवरी के मध्य में हथौरा गांव आये थे।

उन्होंने गांव के मंदिर के दर्शन किये और फिर वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के बाद वे फाइनल मैच देखने अहमदाबाद चले गये। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव के गाजीपुर दौरे की जानकारी मिलते ही जिले में एक बड़ा जश्न मनाया जाएगा । उन्होंने बताया कि टी20 विश्व कप के फाइनल के लिए हथौरा गांव में उनके आवास पर कल रात एक बड़ी एलईडी टीवी लगाई गयी थी, जहां बड़ी संख्या में गांव के लोगों ने मैच का लुत्फ उठाया। न्यूजीलैंड के आखिरी विकेट गिरने के साथ ही वहां मौजूद दर्शक खुशी से नाचने लगे। सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया ।

सेल्समैन की पीट-पीटकर हत्या करने वाला आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

कानपुर। बिधनू थाना क्षेत्र अंतर्गत देशी शराब ठेके के सेल्समैन की पीट-पीटकर हत्या के मामले में कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार देर रात एक आरोपित को पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। घायल को उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसका इलाज पुलिस अभिरक्षा में चल रहा है। उसके दो अन्य फरार साथियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि बीती 25 फरवरी को भवानीपुर गांव में देशी शराब के ठेके पर सेल्समैन उदय सिंह की मारपीट के दौरान मौत हो गई थी। घटना के संबंध में थाना बिधनू में मुकदमा दर्ज कर एसीपी घाटमपुर कृष्णकांत यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी। रविवार को मुखबिर और सर्विलांस के माध्यम से सूचना मिली कि घटना में शामिल एक बदमाश सचेण्डी मार्ग की ओर जा रहा है। इस पर पुलिस ने चेकिंग लगाकर आरोपित को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान उसने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपित के पैर में लग गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी ने बताया कि आरोपित की पहचान फतेहपुर जिले के रहने वाले छोटू उर्फ चांद उर्फ निसार के रूप में हुई है। शातिर पर पहले से ही लूट और चोरी के करीब आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। मारपीट की घटना में शामिल उसके दो अन्य साथियों की तलाश के लिए पुलिस दबिश दे रही है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा।

संभल में मस्जिद और दरगाह अवैध घोषित, कोर्ट ने इमाम पर लगाया सात करोड़ रुपए का जुर्माना

संभल। जनपद संभल में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का एक बड़ा मामला सामने आया है। स्थानीय तहसीलदार कोर्ट ने जिले के पंवासा ब्लॉक के सैफ खां सराय गांव में सरकारी जमीन पर बन शाही मस्जिद, मकान और दरगाह को अवैध बताते हुए हटाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने शाही जामा मस्जिद के शाही इमाम आफताब हुसैन और उनके भाई मेहताब हुसैन पर सात करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

पंवासा ब्लॉक के सैफ खां सराय गांव में गाटा संख्या 452 की 0.1340 हेक्टेयर (करीब दो बीघा) ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से मकान, मस्जिद और दरगाह बनाने का आरोप है। इस जमीन का अनुमानित मूल्य लगभग 6 करोड़ 94 लाख 19 हजार रुपए बताया गया है। सोमवार को संभल के तहसीलदार कोर्ट ने इस भूमि को सरकारी घोषित करते हुए अवैध कब्जा कर बनाए गए मकान, मस्जिद और दरगाह हटाने का आदेश जारी किया है। वहीं कोर्ट ने शाही इमाम पर 7 करोड़ का जुर्माना भी लगाया है। मामला पंवासा ब्लॉक के सैफ खां सराय गांव का है। इस मामले में क्षेत्रीय लेखपाल राहुल धारीवाल ने 24 जून 2025 को अपनी आख्या पेश की थी। जिसके बाद ग्राम सभा बनाम आफताब हुसैन के नाम से केस कर नोटिस जारी किया गया था।

नोटिस के बाद शाही इमाम आफताब हुसैन पक्ष इलाहाबाद हाई कोर्ट पहुंचा था, लेकिन वहां से कोई राहत नहीं मिली। इसके बाद तहसीलदार कोर्ट ने अपील के लिए समय देते हुए आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए। 30 जून को ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। 18 जुलाई को आफताब हुसैन और उनके भाई की ओर से केस खारिज करने की अपील दाखिल की गयी जबकि 7 मार्च 2026 को मामले में अंतिम बहस हुई। प्रतिवादी पक्ष ने दावा किया कि उन्हें 15 जून 1972 को भी बेदखली का नोटिस मिला था। जिसे बाद में प्रशासन ने वापस ले लिया था। उनका कहना है कि वर्तमान रिपोर्ट गलत है और निर्माण करीब 20 साल पुराना है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह निर्माण वक्फ संख्या 3037 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में दर्ज है। इस प्रकरण में तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह जमीन चकबंदी के दौरान पेड़ लगाने के लिए आरक्षित की गई थी। वर्ष 1972 में इसे ग्राम समाज की जमीन घोषित किया गया था।

सरकार के कागज में 1359 फसली वर्ष से यह भूमि कभी भी किसी व्यक्ति के नाम दर्ज नहीं रही। उन्होंने बताया कि करीब छह महीने पहले लेखपाल ने ग्राम सभा की जमीन की रिपोर्ट पेश की गई थी। जिस पर सुनवाई के बाद यह आदेश जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपितों पर सर्किल रेट के आधार पर करीब 7 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यदि शाही इमाम आफताब हुसैन ने स्वयं जमीन खाली नहीं करते हैं तो प्रशासन नियमानुसार कब्जा हटाएगा और जुर्माने की राशि की भी वसूली करेगा।

क्रिकेट जगत ने भारत को जीत का हकदार और सीमित ओवरों की सर्वश्रेष्ठ टीम बताया

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारत को 'पूरी तरह से जीत का हकदार' बताया जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें 'सीमित ओवरों की सर्वश्रेष्ठ टीम' का तमगा किया। क्रिकेट जगत ने इस तरह से भारतीय टीम की ऐतिहासिक तीसरी टी20 विश्व कप खिताबी जीत को सराहा। बल्ले से अपना बेजोड़ प्रदर्शन जारी रखते हुए भारत ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को फाइनल में 96 रन से करारी शिकस्त दी और तीन बार टी20 विश्व कप जीतने वाली तथा खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली टीम बन गई।

सचिन तेंदुलकर ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की और मुंबई में अपने घर के बाहर जश्न की एक झलक साझा की। तेंदुलकर ने लिखा, ''लगातार दो बार विश्व कप जीतना, पहली बार किसी टीम ने टी20 प्रारूप में ऐसा किया है। ट्रॉफी के पूरी तरह से हकदार। हमारी टीम ने क्या शानदार प्रदर्शन किया और क्रिकेट का एक खास ब्रांड दिखा। बहुत बढ़िया, टीम इंडिया। जय हिंद!'' उन्होंने लिखा, ''अपने घर के बाहर और पूरे देश में हो रहे जश्न को देखने के लिए मुंबई में नहीं हूं। क्या शानदार शाम रही। कमाल का काम किया टीम इंडिया।'' भारत की 2024 की जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास लेने वाले **पूर्व कप्तान विराट कोहली** ने टीम के जज्बे और दबदबे की तारीफ की। कोहली ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''अहमदाबाद में टीम इंडिया की जबरदस्त जीत। पूरे टूर्नामेंट में हमारे खेले गए जबरदस्त क्रिकेट का कोई मुकाबला नहीं था। मुश्किल हालात में लड़ते रहने और एक बार फिर विश्व चैंपियन बनने के लिए लड़कों ने शानदार जज्बा दिखाया।'' उन्होंने लिखा, ''यह कामयाबी हासिल करने के लिए सभी खिलाड़ियों और प्रबंधन के सभी सदस्यों को बधाई।'' **आईसीसी चेयरमैन जय शाह** ने भी न्यूजीलैंड के फाइनल तक पहुंचने की तारीफ करते हुए इतिहास रचने के लिए टीम को बधाई दी। शाह ने लिखा, ''अब तक के सबसे वैश्विक और सुगम आईसीसी टूर्नामेंट का क्या शानदान फाइनल था! भारत को बधाई जो लगातार दो टी20 विश्व कप खिताब जीतने वाली पहली टीम बना। सूर्यकुमार यादव और पूरी टीम और स्टाफ को बधाई। न्यूजीलैंड को भी उनके शानदार अभियान के लिए बधाई।''

भारत के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष **सौरव गांगुली** ने कहा कि यह जीत हर स्तर पर भारतीय क्रिकेट की ताकत दिखाती है। गांगुली ने पोस्ट किया, ''टी20 विश्व कप जीतने के लिए भारत को बधाई... बहुत मजबूत टीम... बड़े मुकाबलों में बेहतर हुई... भारतीय क्रिकेट शानदार जगह पर है। महिला चैंपियन, अंडर-19 चैंपियन और अब पुरुष टी20 चैंपियन।''

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और मौजूदा मुख्य कोच **डेरेन सैमी** ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में भारत को हराना मुश्किल था। सुपर आठ में भारत के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हुई वेस्टइंडीज के मुख्य कोच सैमी ने लिखा, ''जैसा कि मैं पहले दिन से कह रहा था। आईसीसी टी20 विश्व कप जीतने के लिए आपको भारत को नॉकआउट में हराना होगा। किसी भी टीम ने ऐसा नहीं किया। बीसीसीआई को उनके तीसरे विश्व टी20 खिताब के लिए बधाई। न्यूजीलैंड को सांत्वना (बेहद निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीम)।''

भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के **कप्तान शुभमन गिल** ने भी टीम की सराहना करते हुए लिखा, ''अपनी टीम पर बहुत गर्व है। भारत के लिए विश्व कप जीतना सपना है और आपने पूरे देश को गर्व महसूस कराया है। बधाई हो।''

भारत की विश्व कप 2011 की खिताबी जीत के नायक **युवराज सिंह** ने टीम के जज्बे की तारीफ की। युवराज ने लिखा, ''विश्व कप खिताब का बचाव करने के लिए जज्बा चाहिए और सूर्यकुमार की अगुआई वाली इस टीम ने सबसे बड़े मंच पर असली जज्बे के साथ खेला।'' युवराज ने फाइनल और पूरे टूर्नामेंट में प्रदर्शन के लिए कई खिलाड़ियों की तारीफ भी की। उन्होंने लिखा, ''संजू ने मौके मिलने पर फिर से दिखाया कि वह मैच विजेता क्यों हैं। ईशान ने शुरू से आखिर तक निरंतर प्रदर्शन किया और भारत की जीत में उनकी भूमिका अच्छा रही।'' उन्होंने संजू सैमसन और इशान किशन की तारीफ करते हुए कहा कि अभिषेक शर्मा 'फाइनल में शानदार' थे।तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए युवराज ने लिखा, ''यह बेहद में खास था, हालात जितने मुश्किल होते गए वह उतना ही बेहतर होते गए।'' भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर **हरभजन सिंह** ने लिखा, ''पूरा दबदबा, बहुत बढ़िया टीम इंडिया... अपनी टीम पर बहुत गर्व है।'' भारत की पूर्व महिला कप्तान **झूलन गोस्वामी** ने लिखा, ''वानखेड़े से यहां तक का क्या शानदार सफर रहा। टीम को इन दर्शकों के सामने ट्रॉफी उठाते देखना सच में जादू जैसा है। इस टीम ने इस शान का हर हिस्सा कमाया है!''

शतरंज **ग्रैंडमास्टर विदित** गुजराती ने लिखा, ''विश्व कप फाइनल लगभग 100 रन से जीतना! भारत के लिए खुशी है।'' भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता **अभिनव बिंद्रा** ने भी इस जीत पर दिल और भारत तिरंगे वाली इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।

बीसीसीआई ने मुझ पर भरोसा किया इसके लिए आभारी हूं: सूर्यकुमार यादव

अहमदाबाद। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का आभार जताया। उन्होंने कहा कि 2024 विश्व कप के बाद बोर्ड ने उन पर भरोसा जताते हुए कप्तानी सौंपी और उसी भरोसे की बदौलत टीम यह बड़ी सफलता हासिल कर पाई। ट्रॉफी प्रस्तुति समारोह के दौरान सूर्यकुमार यादव ने कहा, ''यह एक लंबा सफर रहा है। 2024 विश्व कप के बाद उस समय बीसीसीआई, जय शाह, रोहित शर्मा और सभी ने मुझ पर भरोसा जताया और इस शानदार टीम की कप्तानी का मौका दिया।'' उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में टीम लगातार अच्छा क्रिकेट खेल रही थी और उसी लय को बनाए रखना ही लक्ष्य था।

सूर्यकुमार यादव ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती के प्रदर्शन को टीम की सफलता का बड़ा कारण बताया। कप्तान ने कहा,''यह समझना बहुत जरूरी था कि ये खिलाड़ी क्या कर सकते हैं। मुझे पता था कि इनमें मैच जिताने की क्षमता है।

संजू के टीम में आने का समय बिल्कुल सही था। वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा विश्व स्तर के खिलाड़ी हैं और हमें हमेशा पता था कि वे कुछ खास कर सकते हैं। फाइनल मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करने वाले जसप्रीत बुमराह की भी सूर्यकुमार यादव ने जमकर प्रशंसा की। बुमराह ने अपने घरेलू मैदान पर 4 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वह पीढ़ी में एक बार आने वाले गेंदबाज हैं। अभी मैं उन्हें देश का खजाना कह सकता हूं। उन्हें पता है कि क्या करना है और कैसे करना है। वह इस खेल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। भारतीय कप्तान ने उम्मीद जताई कि टीम आगे भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन करती रहेगी और आने वाले वर्षों में भी नई उपलब्धियां हासिल करेगी।

वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ हनुमान मंदिर पहुंचे कप्तान सूर्य आईआईसी चेयरमैन जय शाह और कोच गंभीर भी रहे साथ

अहमदाबाद। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर भारत ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस शानदार जीत के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ अहमदाबाद के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कप्तान सूर्यकुमार यादव के हाथ में चमचमाती वर्ल्ड कप ट्रॉफी दिखाई दे रही है। जीत की खुशी के बीच कप्तान यादव, आईसीसी के चेयरमैन जय शाह और भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हनुमानजी के चरणों में माथा टेककर आशीर्वाद लिया। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद देशभर में जश्न मनाया जा रहा है। वहीं टीम के नेतृत्व की सादगी और आस्था ने भी लोगों का दिल जीत लिया। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में भारतीय टीम ने न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार और कुल तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले वर्ष 2024 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। इस जीत के साथ भारत टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा तीन बार ट्रॉफी जीतने वाली टीम बन गई है।

दुबई के अनुभव के बाद स्विस ओपन नहीं खेलेगी सिंधू

बासेल। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी जबकि एच एस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत 250000 डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे । ईरान पर अमेरिका और इस्त्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधू तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा । भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा कि वह स्विस ओपन नहीं खेलेगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा । वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थी । उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा । भारत लौटने के बाद सिंधू ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे । अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के जरिये ही वापसी करेंगी । पुरूष एकल में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा । श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे । विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे। तरूण मन्नेपल्ली की टक्कर जापान के केंता निशिमोतो से होगी जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। किरण जॉर्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे ।

पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना सिंगापुर के एंग कीट वेसले को और जुंसुके कुबो से होगा । हरिहरन ए और एम आर अर्जुन चीनी ताइपै के चेन झि रे और लिन यू चियेह से खेलेंगे । महिला एकल में उन्नति हुड्डा का सामना चीनी ताइपै की चियू पिन चियान से होगा जबकि मालविका बंसोड़ थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी । महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चीनी ताइपै की हू लिंग फांग और झेंग यू चियेह से खेलेंगी ।

कच्चे तेल में उछाल से सेंसेक्स 1,353 अंक फिसला, निफ्टी भी भारी नुकसान में

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 1,353 अंक का गोता लगा गया, जबकि एनएसई निफ्टी 422 अंक लुढ़क गया। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के साथ भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया। कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,566.16 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 2,494.35 अंक यानी 3.16 प्रतिशत का गोता लगाकर 76,424.55 अंक पर आ गया था। कुल 3,379 शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी जबकि 972 शेयर लाभ में रहे। वहीं 185 के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 422.40 अंक यानी 1.73 प्रतिशत टूटकर 24,028.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 752.65 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,697.80 अंक पर आ गया था। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''पश्चिम एशिया संघर्ष के दूसरे सप्ताह में प्रवेश करने और तनाव कम होने के कोई संकेत नहीं दिखने के कारण बिकवाली तेज हो गई है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि से मुद्रास्फीति बढ़ने और आर्थिक वृद्धि को जोखिम है।

इससे आरबीआई के नीतिगत रुख में जटिलताएं आने की संभावना है। अमेरिका में कुछ विशिष्ट कोषों में निकासी पर सीमा लगाये जाने की आशंका ने भी बिकवाली में योगदान दिया। उन्होंने कहा, ''इसके बावजूद, वर्तमान चरण दीर्घकालिक निवेशकों के लिए अवसर प्रदान कर सकता है। औषधि और आईटी क्षेत्र में चुनिंदा लिवाली ने अधिक नुकसान को सीमित करने में मदद की। यह अल्पावधि में कमजोर होते रुपये के बीच रक्षात्मक रुख अपनाये जाने का संकेत है।'' सेंसेक्स के शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट में सर्वाधिक 5.23 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, इंटरग्लोब एविएशन और अदाणी पोर्ट्स भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक शामिल हैं।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 12.34 प्रतिशत चढ़कर 104.1 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अबतक के सबसे निचले स्तर 92.35 (अस्थायी) पर आ गया। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के बीच कारोबार के दौरान इसमें 53 पैसे की गिरावट आई। पश्चिम एशिया में संघर्ष गहराने के बीच डॉलर मजबूत हुआ। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण भारतीय शेयर बाजार लगभग तीन प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ खुले और सत्र के अंत में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए।''

उन्होंने कहा, ''पश्चिम एशिया में संघर्ष गहराने के साथ कच्चे तेल की कीमत 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गयी और भारतीय रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। इससे मुद्रास्फीति और बाह्य संतुलन को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं।'' छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 2.11 लुढ़क गया जबकि मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप 2.09 प्रतिशत नीचे आया।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में तेजी का महंगाई पर खास असर नहीं : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में वृद्धि का महंगाई पर खास असर पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि देश में महंगाई पहले से ही अपने निचले स्तर के करीब है। लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि फरवरी के अंत से दो मार्च तक कच्चे तेल की कीमत (भारतीय बास्केट) 69.01 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 80.16 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई।

चूंकि, भारत में महंगाई अपने निचले स्तर के करीब है, इसलिए फिलहाल महंगाई पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि हालांकि, महंगाई पर वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का मध्यम अवधि का प्रभाव कई कारकों पर निर्भर करता है। इसमें विनिमय दर में उतार-चढ़ाव, वैश्विक मांग और आपूर्ति की स्थिति, मौद्रिक नीति का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना, सामान्य मुद्रास्फीति की स्थिति और अप्रत्यक्ष प्रभाव की सीमा शामिल हैं।

लोकसभा में पूछा गया था कि क्या सरकार ने देश में महंगाई पर बढ़ते वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव की समीक्षा की है। इस सवाल का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि रिजर्व बैंक की अक्टूबर, 2025 की मौद्रिक नीति रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि यदि कच्चे तेल की कीमत आधारभूत अनुमानों से 10 फीसदी अधिक होती हैं और घरेलू कीमतों पर इसका पूरा प्रभाव पड़ता है, तो महंगाई 0.3 फीसदी तक बढ़ सकती है। पश्चिम एशिया संघर्ष तेज होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतें आज 26 फीसदी से अधिक के उछाल के साथ 114.29 डॉलर (10,549 रुपये) प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं है।

सरकार ने अदला-बदली नीलामी में 6,309 करोड़ रुपये के बॉन्ड वापस खरीदे

मुंबई। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से आयोजित अदला-बदली नीलामी के तहत 6,309 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां (जी-सेक) वापस खरीद ली हैं और उनके बदले 6,431.79 करोड़ रुपये के नए बॉन्ड जारी किए हैं। सरकारी प्रतिभूति कम जोखिम वाले ऋण साधन होते हैं जिन्हें सरकार जारी करती है। सरकारी गारंटी वाली इन प्रतिभूतियों पर निश्चित प्रतिफल मिलता है। सरकार की तरफ से दोबारा खरीदी गई प्रतिभूतियां अगले वित्त वर्ष में परिपक्व होने वाले निर्धारित बॉन्ड का हिस्सा थीं।

इनमें 1,684 करोड़ रुपये मूल्य के 7.33 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 1,035 करोड़ रुपये मूल्य के 5.74 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 590 करोड़ रुपये मूल्य के 8.15 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड और 3,000 करोड़ रुपये के 8.24 प्रतिशत जीएस 2027 बॉन्ड शामिल हैं। इन बॉन्ड के बदले सरकार ने 1,719.23 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड, 986.52 करोड़ रुपये मूल्य के 7.62 प्रतिशत जीएस 2039 बॉन्ड, 605.60 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड और 3,120.42 करोड़ रुपये के 7.40 प्रतिशत जीएस 2062 के बॉन्ड जारी किए। यह फरवरी के बाद से आरबीआई द्वारा आयोजित बॉन्ड अदला-बदली की चौथी नीलामी है। इस नीलामी के तहत सरकार निकट अवधि में परिपक्व होने वाले बॉन्ड की जगह लंबी अवधि के बॉन्ड जारी करती है।

इससे अगले वित्त वर्ष में होने वाले पुनर्भुगतान दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2026-27 में लगभग 5.47 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड परिपक्व होने वाले हैं। सकल बाजार उधारी बजट में पहले ही 17.2 लाख करोड़ रुपये निर्धारित होने के बीच यह कदम परिपक्वता 'प्रोफाइल' को संतुलित करने और ऋण पुनर्भुगतान प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में मददगार माना जा रहा है। इससे पहले रिजर्व बैंक बॉन्ड अदला-बदली की तीन नीलामियां आयोजित कर चुका था जिनमें कुल 98,591.70 करोड़ रुपये की प्रतिभूतियां वापस खरीदी गई थीं।

पश्चिम एशिया संकट: सीमा शुल्क विभाग ने बंदरगाहों पर लौटने वाली निर्यात खेप के लिए नियम जारी किए

नई दिल्ली। सीमा शुल्क विभाग ने पश्चिम एशिया संकट के कारण समुद्री मार्गों में आए व्यवधान और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के बीच भारतीय बंदरगाहों पर लौटने वाली निर्यात खेप के प्रबंधन के लिए नियम जारी किए हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा आठ मार्च को जारी किए गए और 15 दिन के लिए वैध ये नियम यह निर्धारित करते हैं कि माल के पारगमन के अलावा ऐसे सभी मामलों में जहाज को केवल उसी भारतीय बंदरगाह पर लंगर डालने की अनुमति दी जाएगी जहां से उसने प्रस्थान किया था।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के परिपत्र के अनुसार, बोर्ड के अधीन क्षेत्रीय कार्यालय ऐसी खेप पर दिए गए 'एकीकृत माल एवं सेवा कर' (आईजीएसटी), 'शुल्क वापसी' आदि सहित सभी निर्यात प्रोत्साहनों की स्वयं वसूली करेंगे यदि उनका भुगतान पहले ही किया जा चुका है। सीबीआईसी ने कहा कि उसे क्षेत्रीय कार्यालयों से ऐसे प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं जो संकेत देते हैं कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने और उसके परिणामस्वरूप समुद्री मार्गों में व्यवधान के कारण भारत से निर्यात कार्गो ले जाने वाले कुछ जहाज अपने गंतव्य बंदरगाहों तक पहुंचने में असमर्थ हैं और भारतीय बंदरगाहों पर लौट रहे हैं। ऐसी खेप के प्रबंधन के लिए एक सरलीकृत प्रक्रिया निर्धारित करने का अनुरोध किया गया है।

वर्तमान परिस्थितियों को अंतरराष्ट्रीय पोत परिवहन मार्गों और निर्यात लॉजिस्टिक को प्रभावित करने वाली एक असाधारण स्थिति बताते हुए, सीबीआईसी ने इस समस्या के समाधान और कारोबार को सुगम बनाने के लिए विशेष प्रक्रियाएं निर्धारित की हैं।

गत 28 फरवरी को, अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर सैन्य हमले किए थे, जिसने क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों के साथ-साथ इजरायल पर हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई की। तब से पश्चिम एशिया में संकट गहरा गया है और व्यापार प्रभावित हो रहा है। सीबीआईसी ने इन विशेष परिस्थितियों के समाधान के लिए तीन श्रेणियों में प्रक्रिया निर्धारित की है।

RBI ने सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद से बैंकिंग प्रणाली में 50,000 करोड़ रुपये डाले

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद कर बैंकिंग प्रणाली में 50,000 करोड़ रुपये डाले।

आरबीआई ने बयान में कहा कि उसने 13,507 करोड़ रुपये मूल्य के 6.33 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूति (जीएस) 2035 बॉन्ड, 13,494 करोड़ रुपये मूल्य के 6.01 प्रतिशत जीएस 2030 बॉन्ड, 8,157 करोड़ रुपये मूल्य के 6.10 प्रतिशत जीएस 2031 बॉन्ड, 6,955 करोड़ रुपये मूल्य के 7.30 प्रतिशत जीएस 2053 बॉन्ड खरीदे। इनके अलावा 4,479 करोड़ रुपये मूल्य के 7.18 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड, 2,304 करोड़ रुपये मूल्य के 6.92 प्रतिशत जीएस 2039 बॉन्ड और 1,104 करोड़ रुपये के 6.19 प्रतिशत जीएस 2034 बॉन्ड खरीदे गए हैं। वर्तमान में बैंकिंग प्रणाली में तरलता अधिशेष (जरूरत से अधिक नकदी) करीब 2.41 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। यह ओएमओ खरीद नीलामी बैंकिंग प्रणाली से बड़े पैमाने पर नकदी निकासी की आशंका को देखते हुए की गई।

दरअसल, इस महीने के अंत में अग्रिम कर और जीएसटी के भुगतान होने वाले हैं। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, चालू कैलेंडर वर्ष की शुरुआत से अब तक केंद्रीय बैंक ओएमओ के जरिये सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद कर लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये की नकदी डाल चुका है।

फैन के पोस्ट पर रश्मिका का दिल छू लेने वाला जवाब

बोलीं- ऐसा प्यार पाओ जो तुम्हें आजाद कर दे

हाल ही में शादी के बंधन में बंधे दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित सितारे रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। दोनों ने 26 फरवरी को उदयपुर में एक निजी समारोह में शादी रचाई थी। इसके बाद 4 मार्च को नवविवाहित जोड़े ने एक भव्य रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया, जिसमें फिल्म जगत की कई नामचीन हस्तियां शामिल हुईं। शादी के बाद से ही रश्मिका और विजय सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इस बीच एक प्रशंसक द्वारा लिखा गया भावुक पोस्ट अभिनेत्री को इतना छू गया कि उन्होंने खुद उसका जवाब देकर आभार व्यक्त किया। प्रशंसक ने अपने पोस्ट में रश्मिका और विजय की प्रेम कहानी की सराहना करते हुए उनके रिश्ते को प्रेरणादायक बताया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रश्मिका ने लिखा, ₹मेरे बारे में कुछ लिखा हुआ पढ़कर मैं इतने लंबे समय में कभी भावुक नहीं हुई। कहने को बहुत कुछ है, पर कह नहीं पा रही। मैं अपनी जगह बना रही हूं और इस सफर के लिए बहुत आभारी हूं। इसे समझने के लिए धन्यवाद। प्यार के बारे में इतना कह सकती हूं, ऐसा प्यार पाओ जो तुम्हें आजाद कर दे।₹ रश्मिका और विजय की प्रेम कहानी फिल्मी सेट से शुरू हुई थी। दोनों ने साथ में सुपरहिट फिल्में गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड में काम किया था, जिसके बाद से ही उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई। अब शादी के बाद यह जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाली है। उनकी नई फिल्म रंबबलि जल्द रिलीज के लिए तैयार है। हाल ही में दोनों ने इस पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म का टीजर भी जारी किया, जिसे प्रशंसकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म में विजय स्वतंत्रता सेनानी 'रणबाली' के किरदार में नजर आएंगे, जबकि रश्मिका मंदाना 'जयम्मा' की भूमिका निभाती दिखाई देंगी। प्रशंसक अब इस लोकप्रिय जोड़ी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

'अल्फा' बनकर सिल्वर स्क्रीन पर छाएंगी आलिया भट्ट

रिलीज डेट पर लगी मुहर

मुंबई। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की बहुप्रतीक्षित एक्शन-स्पाई थ्रिलर फिल्म 'अल्फा' को लेकर फैंस काफी उत्साहित थे। मेकर्स ने उनकी उत्सुकता को थोड़ी सी हवा देते हुए सोमवार को फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया। इसमें आलिया के घायल लुक की झलक दिख रही है, जिसमें सिर्फ उनकी आंख और चेहरा दिख रहा है। ब्लैक और मेटैलिक गोल्ड टोन वाले स्लीक, डार्क और मिस्टीरियस डिजाइन में, पोस्टर पर ग्रीक लेटर में 'ए' लिखा है। वहीं, टाइटल के नीचे, अभिनेता अनिल कपूर और बॉबी देओल के नाम भी लिखे हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, "अल्फा 10 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मिलते हैं सिनेमाघर में।" शिव रवैल द्वारा निर्देशित फिल्म को यशराज फिल्म्स निर्माण कर रहा है। यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म होगी। ऐसा पहली बार होगा जब स्पाई यूनिवर्स में एक महिला प्रधान कहानी को दिखाया जाएगा। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ इसमें मुख्य भूमिकाओं में हैं। दोनों खतरनाक मिशनों पर निकलती हैं और हाई-वोल्टेज एक्शन से भरपूर कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म में आलिया और शरवरी के अलावा, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

'लस्ट स्टोरीज़ 3' में रोमांटिक अवतार में नज़र आएंगे अली फज़ल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अली फज़ल, बहुप्रतीक्षित लस्ट स्टोरीज़ 3 में अपने रोमांटिक 'लवर बॉय' अवतार में दिखाई देंगे, जो आधुनिक और भावनात्मक रूप से गहरी प्रेम कहानी को दिखाएगा। अली फजल आखिरी बार मेट्रो इन डिनो में नज़र आए थे, जहां उन्होंने एक नरम दिल और दिल छू लेने वाले संगीतकार का किरदार निभाया था, जो प्यार और अपनी भावनाओं के उतार-चढ़ाव से गुज़रता है। इसी रोमांटिक सफर को आगे बढ़ाते हुए लस्ट स्टोरीज़ 3 में अली फजल एक बेहद निजी और भावनात्मक किरदार में नज़र आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ राधिका मदान भी हैं। फिल्म का निर्देशन मशहूर निर्देशक शकुन बत्रा कर रहे हैं, जो रिश्तों को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाने के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने कहा, "लस्ट स्टोरीज़ 3 मेरे पास ऐसे समय आई जब मैं कुछ भावनात्मक और सच्चा काम करना चाहता था। शकुन के पास इंसानी व्यवहार को समझने का एक बहुत खास तरीका है। वह सीन को बस निर्देशित नहीं करते, बल्कि उन्हें अपने तरीके से जीने देते हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा क्योंकि वह आपको नाटकीय होने के बजाय सच्चा बनने के लिए प्रेरित करते हैं। यह कहानी प्यार, चाहत और संवेदनशीलता को बहुत वास्तविक तरीके से दिखाती है, और काफी समय बाद फिर से एक रोमांटिक किरदार निभाना मुझे सच में अच्छा लगा।" अली फजल ने कहा, "फिर से लवर बॉय का किरदार निभाने में एक अलग तरह की आज़ादी महसूस होती है, लेकिन आज के समय के हिसाब से - थोड़ा कमज़ोर, संवेदनशील और भावनाओं को समझने वाला। मुझे लगता है कि दर्शक मेरा एक बिल्कुल अलग और नरम पक्ष देखेंगे, और यही बात लस्ट स्टोरीज़ 3 को लेकर मुझे सबसे ज़्यादा उत्साहित करती है।" नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय फ्रेंचाइज़ी लस्ट स्टोरीज़ का हिस्सा लस्ट स्टोरीज़ 3 रिश्तों को एक नए और आधुनिक नज़रिए से दिखाने का वादा करती है। अली फज़ल की यह परफॉर्मेंस उनके लगातार विकसित होते फिल्मी सफर में एक और दिलचस्प अध्याय जोड़ने वाली है।

टीवी के बाद अब ओटीटी पर जादू बिखेरेंगी रूप दुर्गापाल

प्रकाश झा की सीरीज 'संकल्प' से करेंगी डेब्यू

मुंबई। 'स्वरागिनी,' 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी,' और 'बालवीर' जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'संकल्प' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी।" अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की।